प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (1 नवंबर, 2024) को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को अब इस बात का एहसास हो रहा है कि चुनाव प्रचार के दौरान ठअवास्तविकठ वादे करना आसान था लेकिन उन्हें ठीक से लागू करना कठिन या असंभव था।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:180 दिनांक:02-11-2024 शनिवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

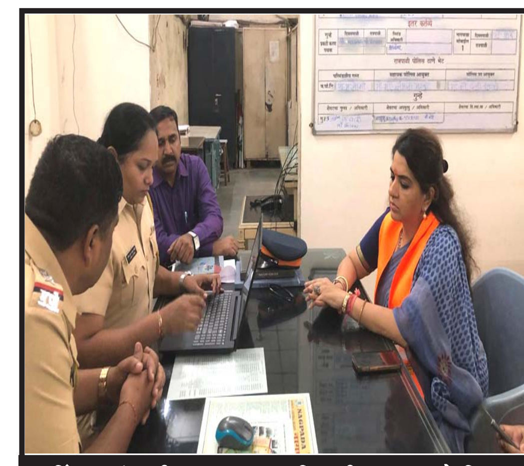

अरविंद सावंत की अपमानजनक टिप्पणी पर चल रहे विवाद के बीच, एकनाथ शिंदे नेता शाइना एनसी के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट ने शुक्रवार (1 नवंबर, 2024) को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए नागदा पुलिस स्टेशन गईं।

क्लासेन रिटेन किये सबसे महंगे विदेशी बने , भारतीयों में विराट शीर्ष पर रहे

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए रिटेन किये सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ियों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन नंबर एक पर रहे। दक्षिण अफ्रीका के क्लासेन को सनराइजर्स ने 23 करोड़ में अपने साथ बनाये रखा। वहीं सबसे महंगे खिलाड़ियों में वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन भी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेटरों की बात करें तो विराट कोहली आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने हैं। विराट को आरसीबी ने 22 करोड़ में रिटेन किया है।

सनराइजर्स एकमात्र टीम है जिसने दो खिलाड़ियों को 20 करोड़ से ज्यादा में रीटेन किया है। इस फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2024 में ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को 20.50 करोड़ में रखा था पर इस बार क्लासेन को 23 करोड़ में रीटेन किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज क्लासेन ने आईपीएल 2023 में 448 रन बनाए थे जबकि पिछले सीजन 2024 में 479 रन बनाये थे। वहीं मिचेल स्टार्क को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2024 ऑक्शन में 24.75 करोड़ में खरीदा था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क का ये रिकॉर्ड इस बार भी कायम है। .

विराट एक बार फिर आरसीबी के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। कोहली को आरसीबी ने 21 करोड़ में रीटेन किया है। कोहली के नाम आईपीएल में सबसे अधिक रन और शतक का रिकार्ड है।

वहीं लखनउ सुपर जॉयंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन को 21 करोड़ में रिटेन किया है। पूरन लखनउ टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। उन्होंने केएल राहुल के रिकॉर्ड को तोड़ा। जो 2022 मेगा नीलामी से पहले इस फ्रेंचाइजी में 17 करोड़ में शामिल हुए थे।

पंजाब किंग्स ने ऑलराउंडर सैम करेन को आईपीएल 2023 ऑक्शन में 18.50 करोड़ में खरीदा था। इसके बाद करेन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। इससे पहले वह 2022 टी20 विश्व कप में भी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। यह पंजाब किंग्स के साथ यह उनका दूसरा सीजन होगा।

वहीं स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें फ्रेंचाइजी ने 18 करोड़ में रीटेन किया। मुम्बई ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को पिछली बार 17.50 करोड़ में खरीदा था। फ्रेंचाइजी ने ग्रीन को आईपीएल 2023 में अपने साथ जोड़ा था। गुजरात टाइटंस ने राशिद खान को 18 करोड़ में रीटेन किया। राशिद गुजरात टाइटंस के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। राशिद को इस फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2022 ऑक्शन में 15 करोड़ में खरीदा था। इसके अलावा ऋतुराज गायकवाड़ को चेन्नई सुपरकिंग्स ने रीटेंशन में 18 करोड़ में रीटेन किया।

संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल को राजस्थान रॉयल्स ने 18-18 करोड़ में रीटेन किया।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 62 रुपए बढ़ी

- सिलेंडरों की नई कीमत बढ़कर 1802 रुपए हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक नवंबर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव किया गया। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 62 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अब दिल्ली में इन सिलेंडरों की नई कीमत 1802 रुपये हो गई है, जबकि पहले यह 1740 रुपये थी। यह बदलाव त्यौहारी सीजन में आया है, जब बाजार में मांग अधिक होती है, और इसका असर रेस्टोरेंट, होटल और छोटे व्यवसायों पर स्पष्ट रूप से दिखेगा। दिल्ली में 1740 रुपये से बढ़कर 1802 रुपये, कोलकाता में 1850 रुपये से बढ़कर 1911.50 रुपये, मुंबई में 1692.50 रुपये से बढ़कर 1754.50 रुपये, चेन्नई में 1903 रुपये से बढ़कर 1964.50 रुपये है। इन कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें परिवहन लागत में वृद्धि और वैश्विक बाजार में गैस की मांग में बदलाव। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जो आम उपभोक्ताओं के लिए एक राहत की बात है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की बढ़ती कीमतें विशेष रूप से त्यौहारी सीजन और शादियों के समय में व्यापारियों के लिए एक चिंता का विषय बन गई हैं। पिछले चार महीनों में कमर्शियल सिलेंडरों की कीमत में कुल मिलाकर 156 रुपये की वृद्धि हो चुकी है। यह लगातार बढ़ोतरी होटल, रेस्टोरेंट और खाद्य उद्योग पर अतिरिक्त दबाव डाल रही है। जब महंगाई बढ़ती है, तो व्यापारियों को अपने लागत को संतुलित करने के लिए मूल्य वृद्धि करनी पड़ती है, जिससे आम उपभोक्ताओं को बाहर खाने पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है। इस समय जब त्यौहारों के दौरान लोग रेस्टोरेंट और कैफे में अधिक जाते हैं, वहां पर यह महंगाई का असर ज्यादा महसूस होगा।

अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1,87,346 करोड़ रुपये के पार, लबालब हुई सरकार की तिजोरी

मुंबई (ईएमएस)। दिवाली के त्यौहारी सीजन में भारत सरकार को जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि के रूप में एक बड़ी राहत मिली है। अक्टूबर 2024 में जीएसटी संग्रह 1,87,346 करोड़ रुपये के नए शीर्ष स्तर पर पहुंच गया, जो बीते वर्ष अक्टूबर के 1.72 लाख करोड़ की तुलना में करीब 9 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। मोदी सरकार के लिए यह आंकड़ा देश की अर्थव्यवस्था में तेजी और त्यौहारी मांग में वृद्धि का स्पष्ट संकेत है।

रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर माह में सीजीएसटी (केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर) संग्रह 33,821 करोड़ रुपये, एसजीएसटी (राज्य वस्तु एवं सेवा कर) संग्रह 41,864 करोड़ रुपये, आईजीएसटी (एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर) संग्रह 54,878 करोड़ रुपये और सेस के माध्यम से 11,688 करोड़ रुपये जुटाए गए। इस माह के कुल राजस्व में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जिससे देश के आर्थिक स्वास्थ्य में सुधार की उम्मीदें बढ़ी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अक्टूबर में त्यौहारी सीजन के कारण बाजार में उपभोक्ता गतिविधियों में तेजी आई, इससे देश में वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ी और जीएसटी संग्रह में जोरदार उछाल देखने को मिला। इस माह में इंपोर्ट्स से भी आईजीएसटी में 44,233 करोड़ और सेस में 862 करोड़ रुपये का योगदान हुआ, जिससे विदेशी व्यापार में सुधार की भी पुष्टि होती है।

केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी रिफंड में भी इस साल उछाल दिखाई दिया है। अक्टूबर 2024 में कुल 19,306 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जबकि पिछले वर्ष के अक्टूबर माह में यह राशि 16,335 करोड़ रुपये थी। यह 18.2 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है, जो रिफंड प्रक्रियाओं में तेजी और पारदर्शिता को उजागर करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि रिफंड में बढ़ोतरी से व्यापारियों और उद्यमियों को राहत मिलेगी और यह व्यापार के लिए अनुकूल माहौल बनाएगा। अक्टूबर में 1.87 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कलेक्शन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारत के आर्थिक सुधार की दिशा में बढ़ते कदमों को दर्शाता है। त्यौहारी सीजन के बाद भी यह वृद्धि कायम रहती है या नहीं, यह आगामी महीनों के संग्रह आंकड़ों पर निर्भर करेगा। सरकार का मानना है कि यह ट्रेंड अगले कुछ महीनों में जीएसटी कलेक्शन को मजबूत रखने में सहायक हो सकता है, जिससे आर्थिक सुधार को और गति मिलेगी।

खड़गे ने कर्नाटक सरकार की योजनाओं की आलोचना, बीजेपी को मिला मौका

-कांग्रेस ने जनता की आंखों में धूल झोंकी, अब खड़गे और राहुल माफी मांगे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कर्नाटक सरकार के वित्तीय संकट के बीच कांग्रेस पार्टी चुनावी वादों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना कर रही है। हाल ही में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक सरकार की योजनाओं की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि सरकार को उतने ही वादे करने चाहिए, जितना वह पूरा कर सके। यह टिप्पणी डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार शक्ति गारंटी योजना की समीक्षा करेगी, जिसके तहत महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी जाती है।

खड़गे के इस बयान को बीजेपी ने अपना कांग्रेस पर हमल बोलने का राजनीतिक हथियार बनाया। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि खड़गे साहब को ज्ञान आ गया है, लेकिन यह ज्ञान पहले आना चाहिए था। उन्होंने राहुल गांधी की योजनाओं को याद दिलाते हुए सवाल उठाया कि क्या अब कर्नाटक सरकार उन वादों को पूरा कर सकेगी, जो हिमाचल प्रदेश में किए गए थे।

रविशंकर ने आगे कहा कि खड़गे ने स्वीकार किया है कि कांग्रेस ने जनता की आंखों में धूल झोंकी है और यह बात झारखंड में भी सही है। उन्होंने यह भी कहा कि अब खड़गे और राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। डीके के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए खड़गे ने मजाकिया लहजे में कहा कि उन्होंने कुछ गारंटियां दी हैं, लेकिन अब शिवकुमार ने कहा है कि एक गारंटी को छोड़ने की बात कर दी है। इस पर खड़गे ने हिदायत दी कि सिद्धारमैया सरकार को अपने वादों पर कायम रहना चाहिए। इस घटनाक्रम से साफ है कि कर्नाटक में कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है, और बीजेपी इसे अपने राजनीतिक लाभ के लिए भुनाने की कोशिश कर रही है।

भारत-चीन सीमा पर सेना की पेट्रोलिंग शुरू

दीपावली पर बंटी थी मिठाइयां

ईटानगर (ईएमएस)। पूर्वी लद्दाख बॉर्डर पर भारत-चीन सेना के पीछे हटने के बाद दोनों देशों की सेनाओं ने पेट्रोलिंग शुरू कर दी है। बात दें कि सेना के पीछे हटने की प्रक्रिया 30 अक्टूबर को पूरी हो गई थीह। सूत्रों ने बताया कि देपसांग पर जल्द पेट्रोलिंग शुरू होगी। अभी डेमचोक पर निगरानी की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति के बीच बैठक के बाद दोनों देशों की सेनाओं के बीच इन दोनों इलाकों से पीछे हटने पर सहमति बनी थी। गौरतलब है कि दिवाली के मौके पर पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स, काराकोरम पास, दौलत बेग ओल्डी, कोंग्कला और चुशुल-मोल्डो से लगे लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर दोनों देशों के अफसरों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और दीपावली की बधाई दी थी।

केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजजू ने की चीनी सैनिकों से मुलाकात

संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश के बुमला पास पर चीनी सैनिकों से मुलाकात की है। रिजिजू ने सोशल मीडिया एक्स पर इसका एक वीडियो भी पोस्ट किया। भारत-चीन के बीच एलएसी पर पेट्रोलिंग को लेकर हुए समझौते पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 27 अक्टूबर को कहा था कि सैनिकों की वापसी पहला कदम है। अगला कदम तनाव कम करना है।

अरविंद सावंत की अमर्यादित टिप्पणी पर भड़की शाइना एनसी

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र चुनाव में शिवसेना-यूबीटी नेता अरविंद सावंत की अमर्यादित टिप्पणी पर शाइना एनसी भड़क गईं। शाइना ने एक्स पर लिखा कि, महिला हूं, माल नहीं। बता दें कि शाइना एनसी पहले भाजपा में थीं, लेकिन चुनाव से पहले वह शिवसेना में पहुंच गई हैं। इसको लेकर अरविंद सावंत ने टिप्पणी की थी वह पूरी जिंदगी भाजपा में रहीं, लेकिन अब देखिए। यहां इंपोर्टेड माल नहीं चलता, केवल ओरिजिनल माल चलता है। इस तरह की सेक्सिस्ट प्पणी पर शाइना एनसी भड़क उठी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी बात कहना अरविंद सावंत और उनकी पार्टी की मानसिकता दिखाती है। क्या वह सोचते हैं मुम्बा देबी की हर महिला माल है?

महिला को माल कहने वाले होंगे बेहाल

शाइना ने आगे कहा कि यह लोग एक महिला की इज्जत नहीं कर सकते। आप राजनीति में एक सक्षम महिला को माल कहते हैं। उन्होंने आगे कहाकि अब आप होंगे बेहाल, क्योंकि आपने एक महिला कह दिया है माल। मैं इस मामले में ऐक्शन लूं या न लूं, लेकिन पब्लिक उन्हें बेहाल जरूर करेगी। शाइना ने कहा कि यह वही अरविंद सावंत हैं जिनके लिए साल 2014 और साल 2019 में हमने एक बहन के तौर पर प्रचार किया। लेकिन यह उनकी सोच है कि वे महिला को माल कह रहे हैं। 20 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए शाइना एनसी को एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने मुंबई की मुंबादेवी विधानसभा सीट से मैदान में उतारा है।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से.......पहले दिन पुरानी संसद में संयुक्त सत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद का शीतकालीन सत्र इस महीने के अंत में 25 नवंबर से शुरू होने की संभावना है और यह 20 दिसंबर तक चल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, इस बार एक विशेष घटना होगी, इसमें सांसद एक दिन के लिए संसद की पुरानी इमारत में बैठक कर सकते है।

संविधान अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर, 26 नवंबर को लोकसभा और राज्यसभा का एक संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा। यह विशेष सत्र संभवतः पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित होगा, जहां 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान को अपनाया गया था। इस दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है, और भारतीय संविधान को 26 जनवरी 1950 से पूरी तरह लागू किया गया था।

दिलचस्प है कि सत्ताधारी एनडीए और विपक्षी गठबंधन दोनों ही संविधान के रक्षक के रूप में खुद को पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों एक-दूसरे को संविधान का दुश्मन बताने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने यह नैरेटिव चलाने की कोशिश की कि अगर मोदी सरकार फिर से सत्ता में आई, तब संविधान खतरे में पड़ जाएगा। वहीं मोदी सरकार ने इस साल जुलाई में संविधान हत्या दिवस के रूप में 25 जून को मनाने का ऐलान किया, ताकि आपातकाल के काले दिनों को याद किया जा सके। इस पृष्ठभूमि में, आगामी संसद सत्र और विशेष सत्र में होने वाली चर्चाएं इस बार काफी महत्वपूर्ण रहने की संभावना है।

राजेश कुमार सिंह ने रक्षा सचिव का पदभार ग्रहण किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में रक्षा सचिव का पदभार ग्रहण किया। वे केरल कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने 20 अगस्त, 2024 को विशेष कार्य अधिकारी (रक्षा सचिव) का पदभार ग्रहण किया था। कार्यभार संभालने से पहले, राजेश कुमार सिंह ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय समर स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की और श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, देश हमेशा मातृभूमि की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों का ऋणी रहेगा। वीर सैनिकों की असाधारण बहादुरी और बलिदान भारत को एक सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए हमारी शक्ति और प्रेरणा का स्त्रोत है। ससे पहले, राजेश कुमार सिंह 24 अप्रैल, 2023 से 20 अगस्त, 2024 तक वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव का कार्यभार संभाल रहे थे। इससे पहले, उन्होंने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के पशुपालन और डेयरी विभाग में सचिव का पद पर कार्य किया।

तमिलनाडु के त्रिची जिले में रॉकेट लॉचर मिलने से हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

त्रिची (ईएमएस)। तमिलनाडु के त्रिची जिले में कावेरी नदी के किनारे स्थित अंडानल्लूर मंदिर के पास पुलिस को एक रॉकेट लांचर मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना तब सामने आई जब मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालुओं ने बताया किया कि उन्होंने एक असामान्य वस्तु देखी है, जो बाद में रॉकेट लॉचर निकली। सूचना के बाद पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और वहां एक नीले और काले रंग की वस्तु देखी, इस रॉकेट लॉन्चर बताया गया। पुलिस ने बम निरोधी दस्ते को भी मौके पर बुलाया और सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर के आसपास की स्थिति को संभालने की कोशिश की।

पुलिस ने बताया कि रॉकेट लॉन्चर को भारतीय सेना की 117 इन्फेंट्री बटालियन को सौंपा गया है, और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि रॉकेट लॉन्चर किस स्थान से आया, इसकी जांच की जा रही है और सभी संभावित कोणों से मामले की जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस संदर्भ में आती है जब केंद्रीय एजेंसियों ने चेतावनी दी थी कि लिट्टे (लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तामिल ईलम) तमिलनाडु में फिर से अपना वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। राज्य सरकारों को सूचित किया गया है कि पानी के रास्ते श्रीलंका से कई संदिग्ध तत्व भारत में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे हथियारों की तस्करी की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं।

यूपी उपचुनाव में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू, राजनीतिक सरगर्मी तेज

चंद्रशेखर ने योगी को घेरा तो कांग्रेस ने कहा, बांटने का काम बीजेपी का

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश उपचुनाव में आरोप-प्रत्यारोप के दौर के साथ राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई। नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा- चुनावी रैलियों में बटेंगे तो कटेंगे का नारा देने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक मंच पर समाज को हरिजन और गैर हरिजन में बांट रहे हैं। क्या इस हरिजन शब्द के प्रयोग से उनका तथाकथित हिंदू खतरे में नहीं आता? जबकि 1982 में केंद्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों के लिए एक एडवाइजरी जारी कर अनुसूचित जातियों के लिए हरिजन शब्द का इस्तेमाल न करने को कहा था। 2010 में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने इस संबंध में नए सिरे से दिशा-निर्देश जारी करके इस पर रोक लगाई थी। यहां तक कि माननीय न्यायालय द्वारा भी इसे अपमानजनक बताते हुए प्रतिबंध लगाया गया था। इतने महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर बैठे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को क्या इन निर्णयों की जानकारी नहीं है? या जानबूझकर हरिजन शब्द का प्रयोग करके अनुसूचित वर्ग के लोगों का अपमान किया जा रहा है? जब गांधी जी ने अछूतों के लिए हरिजन शब्द का इस्तेमाल करना शुरू किया, तो परम पूज्य बाबा साहेब डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जी ने इसका कड़ा विरोध किया और इसे अपमानजनक शब्द बताया था। ये सवाल उस समय भी पूछा गया था और आज भी प्रासंगिक है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी बताएं, यदि अनुसूचित जाति के लोग हरिजन हैं तो बाकी अन्य लोग 'हरि' के जन नहीं तो किसके जन हैं?

हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने फिर चुनाव आयोग को घेरा, कहा- EC ने खुद को क्लीन चिट दी

नई दिल्ली : कांग्रेस ने एक बार फिर हरियाणा विधानसभा चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग को घेरा है। कांग्रेस ने कहा कि आयोग ने हरियाणा चुनाव से संबंधित उसकी शिकायतों पर स्पष्टीकरण देने के बजाय गोल-मोल जवाब दिए। इतना ही नही उसने ईसी पर खुद को ही क्लीन चिट देने के भी आरोप लगाए।

कांग्रेस ने कहा, ठहरियाणा चुनाव को लेकर हमारी शिकायतें स्पष्ट थीं, निर्वाचन आयोग ने पहले की तरह ढुलमुल रवैया अपनाते हुए शिकायतों को रफा-दफा किया। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि कोई आश्चर्य की बात नहीं है, चुनाव आयोग ने खुद को क्लीन चिट दी। हरियाणा चुनाव से संबंधित शिकायतों पर इसके जवाब का लहजा अहंकार भरा था।

कांग्रेस ने आगे कहा, चुनाव आयोग का यह लक्ष्य है कि वह अपने तटस्थ स्वरूप को पूरी तरह खत्म करना चाहता है तो वह इस दिशा में जबरदस्त रूप से आगे बढ़ रहा है। इससे पहले चुनाव आयोग ने हरियाणा चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता के कांग्रेस के आरोपों को निराधार, गलत और तथ्यहीन बताकर खारिज कर दिया है। आयोग ने कांग्रेस पार्टी को चुनाव दर चुनाव निराधार आरोपों से दूर रहने के लिए भी लिखा है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने बीते एक साल के पांच ऐसे विशिष्ट मामलों का हवाला भी दिया है। आयोग ने इन मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी को बिना किसी सबूत के चुनावी कार्यों पर आदतन हमलों से बचना चाहिए।

चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी को लिखे गए पत्र में 'सामान्य' संदेह का दावा कर हवा बनाने का आरोप लगाया। इस संदर्भ में आयोग ने कांग्रेस को सख्ती के साथ भविष्य में निराधार आरोपों से बचने का परामर्श भी दिया है। इतना ही नहीं चुनाव आयोग ने कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों को मतदान और मतगणना के दिनों जैसे संवेदनशील समय पर निराधार और सनसनीखेज शिकायतों के प्रति आगाह किया। उन्हें चेताया है कि यह प्रयास कभी भी सच को झूठ और झूठ को सच नहीं कर सकते।

गौरतलब है कि हरियाणा में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 90 में से 48 सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी, जबकि कांग्रेस को 37, आईएनएलडी को दो और निर्दलीयों को तीन सीटें मिलीं। इसके बाद कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के राज्य के चुनाव नतीजों में अनियमितता का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से जांच कराने की मांग की थी। कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना के दौरान ईवीएम में सामने आई विसंगतियों को लेकर कई शिकायतें सौंपी थीं।

फिर लगाया आरोप, भारत कर सकता है कनाडा पर बड़ा साइबर हमला

ओटावा,(ईएमएस)। कनाडा-भारत के बीच रिश्ते और खराब होते जा रहे हैं। कनाडा की जासूसी एजेंसी ने चेतावनी दी है। कनाडा ने फिर आरोप लगाया है कि भारत कनाडा पर बड़ा साइबर हमला कर सकता है। भारत द्वारा कनाडा की सरकारी वेबसाइट को निशाना बनाया जा रहा है।

कनाडा के संचार सुरक्षा प्रतिष्ठान के मुताबिक भारत साइबर तकनीक के जरिए अलगाववादियों पर नजर रख रहा है। एजेंसी का आरोप है कि भारत साइबर क्षमताओं का इस्तेमाल कनाडा के सरकारी नेटवर्क के खिलाफ हमलों को बढ़ाने में भी कर रहा है।

कनाडा के संचार सुरक्षा प्रतिष्ठान के प्रमुख ने कहा कि यह साफ है कि हम भारत को एक उभरते साइबर खतरे वाले देश के रूप में देख रहे हैं। एजेंसी का कहना है कि भारत और कनाडा के बीच रिश्ते साइबर हमलों की वजह से और बिगड़ रहे हैं। एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कनाडा के आरोपों के बाद भारत समर्थक ग्रुप ने सेना की साइट समेत कनाडाई वेबसाइटों पर हमले किए। वेबसाइट को ऑनलाइन ट्रैफिक से भर दिया। इससे लोग इन वेबसाइट तक नहीं पहुंच सके।

साल 2023 में कनाडा के वैंकूवर में कनाडाई आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसके बाद कनाडा के पीएम जस्टिन टूडो ने हत्या का आरोप भारत पर लगाया था लेकिन आज तक टूडो एक भी सुबूत पेश नहीं कर पाएं हैं। निज्जर की हत्या के बाद से कनाडा और भारत के रिश्तों में तल्खी है। भारत ने कनाडा से अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया। इसके अलावा कनाडा के छह राजनयिकों को भारत ने देश से निकाल दिया है।

कनाडा की खुफिया एजेंसी ने भारत को उभरते साइबर खतरे वाले देशों की सूची में रखा है। हैरानी की बात यह है कि इस सूची में भारत के अलावा रूस, चीन और उत्तर कोरिया शामिल हैं। भारत को छोड़कर बाकी देशों की पश्चिमी मुल्कों से नहीं बनती हैं। पश्चिम देश रूस, चीन और उत्तर कोरिया को बड़ा खतरा मानते हैं। नई दिल्ली में जी-20 सम्मलेन से लौटने के बाद से ही टूडो ने भारत के खिलाफ आरोप लगाना जारी रखा है। हालांकि आरोपों के समर्थन में भारत कई बार सुबूतों की मांग कर चुका है।

जन हितैषी

भारतीय नीति की छाया का पीछा करता पाकिस्तान

यह तो सही है कि पाकिस्तान और हिंदुस्तान भौगोलिक तौर पर ही नहीं बल्कि अचार-विचार, खान-पान और रहन-सहन के लिहाज से भी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। बस फर्क जो है वो यह कि पाकिस्तान नफरतों के धरातल पर खड़ा हुआ, जबकि भारत अहिंसा के साथ ही शांति-सद्भाव, प्रेम, सहिष्णुता, भाईचारा और विश्वबंन्धुत्व के सिद्धांतों पर बना है। यहां सदा से ही लोकतंत्र के वृक्ष को सींचा गया, जबकि पाकिस्तान में समय-समय पर सेना ने इसे बूटों के तले कुचलने से भी परहेज नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान में आतंकवादियों का पालन-पोषण आसानी से होता रहा, जबकि आतंकवाद के खिलाफ हिन्दुस्तान लगातार संघर्ष करता रहा है। बावजूद इसके अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पाकिस्तान भारतीय आत्मनिर्भरता की नीति की छाया का पीछा कर रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पाकिस्तान ने हाल ही में थाईलैंड के साथ एक महत्वपूर्ण आर्म्स डील की है, जिसमें बख्तरबंद वाहनों की आपूर्ति भी शामिल है। यह सौदा पाकिस्तान की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का एक प्रयास है। अब चूंकि भारत आजादी के बाद से ही आत्मनिर्भरता की नीति को अपनाए हुए है और जब से नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं तब से उन्होंने रक्षा क्षेत्र को सशक्त करने के लिए कई अहम फैसले लिए और सार्थक कदम भी बढ़ाए हैं। ऐसे ही फैसलों में जहां विदेशी हथियारों की खरीद है तो वहीं स्वदेशी हथियारों के निर्माण की क्षमता को बढ़ाने के सफल कदम भी शामिल है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की सेना ने थाईलैंड की डिफेंस इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड के साथ इस डील पर हस्ताक्षर किए हैं। यहां बताते चलें कि यह डील 18 सितंबर को इस्लामाबाद में हुई थी, जिसे गोपनीय रखा गया, जिससे इसकी जानकारी बहुत ही कम लोगों को मिली थी। अब बताया जा रहा है कि इस समझौते के तहत, टीडीआई बख्तरबंद वाहनों की आपूर्ति पाकिस्तान की रक्षा कंपनी हैवी इंडस्ट्रीज टैक्सिला को करेगी। टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के प्रावधान ने इस डील को और महत्वपूर्ण बना दिया है, जिससे एचआईटी को आधुनिक बख्तरबंद वाहनों का उत्पादन करने में मदद भी मिलेगी। मौजूदा वक्त में दुनिया के जिस तरह के हालात बन गए हैं, उसमें पाकिस्तान का यह कदम बहुत मायने रखता है। इस नई डील के साथ, पाकिस्तान अपने रक्षा उद्योग को और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जिससे रक्षा क्षेत्र में उसे महत्वपूर्ण शक्ति बनने की दिशा में बेहतर कदम साबित हो सकता है। दूसरी तरफ पाकिस्तान का यह कदम भारत के लिए चेतावनी भी हो सकती है। दरअसल हाल के वर्षों में, पाकिस्तान ने अपने रक्षा उद्योग को बढ़ाने के लिए अनेक देशों के साथ सहयोग बढ़ाया है, जिससे उसकी सैन्य क्षमताओं और भी विकसित हो रही हैं। पाकिस्तान की इस आर्म्स डील के संदर्भ में, यह स्पष्ट हो गया है कि दक्षिण एशिया में सुरक्षा का माहौल और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक होता जा रहा है। यह डील न केवल पाकिस्तान के लिए एक नई दिशा प्रदान करती है। पाकिस्तान की इस डील से चिंता की बात इसलिए नहीं है, क्योंकि भारत ने पिछले चार दशकों में अपने रक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए कई पहल किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप भारत आयातक से आगे बढ़ा है और अब भारत का रक्षा निर्यात कई गुना बढ़ गया है। इस प्रकार भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं, जिसकी देखा-देखी पाकिस्तान भी इस राह पर चलने का प्रयास करता नजर आ रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि भारत की वैश्विक रक्षा क्षमताएं काफी मजबूत हुई हैं। इसके विपरीत, पाकिस्तान अपनी सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए थाईलैंड जैसे देशों के साथ समझौतों की ओर बढ़ रहा है। इस प्रतियोगिता बढ़ेगी और संतुलन बनाने के लिए आत्मनिर्भरता नीति को और ज्यादा प्रभावी बनाने पर कार्य भी करना होगा। भारत को अपने रक्षा क्षेत्र में सुधार करने की आवश्यकता पहले भी थी और अब कुछ ज्यादा हो गई है। सीमाओं की रक्षा के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना और दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखने के लिए भी यह जरुरी हो गया है।

पूजनीय है कलियुग में केवल कालाधन

भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के अनेक देशों में जहाँ भारतीय रहते हैं वहां 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को धन की देवी लक्ष्मी जी की पूजा की जाएगी। लक्ष्मी पूजन की परम्परा कितनी पुरानी है ये हम नहीं जानते ,लेकिन हमें पता है कि कलियुग में केवल और केवल कालाधन ही सबसे ज्यादा संग्रहणीय और पूजनीय है। आम हिंदुस्तानी बचपन से जिन धनों को जानता आया है उनमे कालाधन 500 सौ साल पहले तो नहीं था किन्तु आज सर्वत्र कालाधन ही व्याप्त है।

हम सनातनी पांच हजार साल पहले की बातों को मानते हों या न मानते हों लेकिन कम से कम मुग़लकाल में जन्में गोस्वामी तुलसीदास जी की बातों को जरूर मानते है। पंडित जी रामचरित मानस लिखकर अमर हो गए। उन्हें अमर होने के लिए न सत्ता की जरूरत पड़ी और न काले धन की ,लेकिन वे सबसे जयादा धनिक व्यक्ति थे ,क्योंकि उनके पास उस समय जो सबसे कीमती धन माना जाता था वो धन था। मुग़लकाल में सबसे कीमती धन संतोष धन था। इसकी कीमत अब घटते-घटते डालर के मुक़ाबले भारतीय रूपये जैसी हो गयी है।

गोसामी तुलसीदास जी धन के बारे में शायद आम आदमी से ज्यादा जानते थे ,इसीलिए उन्होंने एक दोहे में उस समय के सभी धनों के बारे में लिख दिया था। उन्होंने लिखा था -

गोधन गजधन बाजिधन, और रतनधन खान।
जब आवत संतोष धन, सब धन धूरि समान?

मुग़लकाल में गौधन आम आदमी के पास था ,लेकिन गजधन डहायियों की फ़ौज,बाजधन डअश्वारोही सेना और खदानों से निकलने वाले रतनधन पर शासकों का कब्जा था ,ऐसे में गरीब आदमी के हिस्से में केवल संतोष धन आता था ,मन के लिए गोस्वामी बाबा ने इसे ही सबसे मूलयवान बताकर बाकी के धन को धूल के समान बता दिया था। बहुसंख्यक जनता ने इसी को ब्रम्हवाक्य मान लिया और संतोष धन की खोज में लग गयी। संतोष का धन अभावों के गर्भ से उपजता है। तब भी और आज भी हमारे अपने शासन में। आज भी कमोवेश हालात बदले नहीं हैं। मुग़ल काल जैसे ही हैं ,क्योंकि गौधन या तो सरकारी गौशालाओं में है या फिर पतंजलि के अदृश्य संस्थान में। गजधन या तो वन विभाग के पास है या फिर बाबाओं के पास। बाजधन भी अब केवल सेना और अर्धसैन्य बलों के पास है। रतनधन पर तो सर आम सरकार का या खनन माफिया का कब्जा है। ऐसे में पांच सौ साल पहले भी जनता को संतोष के धन पर गुजर-बसर करना पड़ती थी और आज भी करना पड़ रही है।

हम और हमारा समाज सदियों से देवी लक्ष्मी की पूजा करता आरहा है लेकिन वे कभी भी किसी झुग्गी वाले पर प्रसन्न नहीं हुई। उन्हें महल,अट्टालिकाएं ही भाती है। वहां चमक -दमक बेपनाह कहिये या बेशुमार होती है। अब तो जनता से ज्यादा डबल इंजिन की सरकारों में दीपावली पर लक्ष्मी जी को खुश करने की प्रतिस्पर्द्धा चल रही है। सरकारें सरजू का तट हो या क्षिप्रा का वहां असंख्य दीपक जलाकर नए-नए कीर्तिमान बनाने में जुटीं हैं। जनता के हिस्से में ले-देकर मिटटी के दीपक और चीनी विद्युत प्रकाश बिखेरने वाली झालरें रह गयीं है। मिटटी के दीपकों में भरने के लिए किसी भी प्रकार का तेल खरीदना अब आसमान के तारे तोड़ने जैसा है ,किन्तु धर्मभीरु जनता ये कोशिश लगातार करती है ,ये सोचकर कि शायद किसी दिन लक्ष्मी जी प्रसन्न हो जाएँ और उनकी स्वामी सहायक बन जाएँ।

तुलसीदास जी के समय में कालाधन शायद जन्मा नहीं होगा,अन्यथा वे अपने दोहे में काले धन का जिक्र ज़रूर करते। मुझे लगता है कि काला धन देश में आजादी के बाद जन्मा है। यानी ये शुद्ध भारतीय धन है।

काला धन काला क्यों है ,ये उसी तरह का यक्ष प्रश्न है जैसा योगेश्वर कृष्ण ने अपने बालयकाल में अपनी माँ जसोदा से किया था -राधा क्यों गोरी ,मै क्यों काला जैसा। काळा धन को काळा अंग्रेज ब्लैक मनी कहलाता है। काला धन वह भी है जिस पर कर नहीं दिया गया हो। भारतीयों द्वारा विदेशी बैंको में चोरी से जमा किया गया धन का निश्चित ज्ञान तो नहीं है किन्तु श्री आर वैद्यनाथन ने अनुमान लगाया है कि इसकी मात्रा लगभग 7,280,000 करोड रूपये हैं। लेकिन मुझे ये आंकड़ा भी संदिग्ध लगता है।

विश्वषज्ञ बताते हैं कि कालाधन केवल काळा कारनामों से,काळा धंधों से केवल और केवल काळा दिल के लोग कमाते हैं और इसके ऊपर दुनिया की कोई सरकार करारोपण नहीं करती। सरकारों को आशंका रहती है कि कहीं कालाधन से लिया गया कर पूरी अर्थव्यवस्था के साथ हमारे पूजनीय नेताओं का चेहरा ही काला न कर दे ! आपको याद होगा कि तीसरी मर्तबा देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी ने 2014 में विदेशों से भारतियों का जमा कालाधन वापस लाने की गारंटी दी,प ,लेकिन वे भी कामयाब नहीं हुए। हो भी नहीं सकते थे क्योंकि कालाधन आखीर कालाधन है।

आपको शायद पता न हो लेकिन मै आपको बता दूँ कि कालाधन कभी देश की बैंकों ,तिजोरियों में रहना पसंद नहीं करता । कालाधन को दुनिया में स्विट्जरलैंड से बेहतर और कोई दूसरा देश नहीं लगत। ये देश कालेधन के लिए ठंडा-ठंडा,कूल-कूल रहता है।मेरे यहां जो अखबार आता है उसका नाम हिंदुस्तान है । चूंकि मै हिन्दुस्तानी हूँ इसलिए हिंदुस्तान पढ़ना पसंद करता हूँ। इसी अखबार में छपी एक रपट के मुताबिक़ 70 देशों से कालेधन का सुराग मिला. ख़बर के मुताबिक आयकर विभाग को विदेशी लेन-देन से जुड़ी 30 हज़ार से ज़्यादा जानकारियां मिली हैं, जिसमें कई संदिग्ध बताई जा रही हैं. हालांकि विभाग यह भी मान कर चल रहा है कि सभी 30 हज़ार लेन-देन कालेधन की श्रेणी में नहीं होंगे। संदिग्ध लेन-देन को लेकर आयकर विभाग ने इनमें से क़रीब 400 लोगों को नोटिस भी भेजा है.

मेरी आधी-अधूरी जनकारी के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में भारत ने 80 से अधिक देशों के साथ वित्तीय लेन-देन की जानकारी साझा करने के अनुबंध किए थे। स्विट्जरलैंड के साथ दिसंबर 2017 में यह करार हुआ था और उनसे जनवरी 2019 से जानकारी मिलना शुरू होने की उम्मीद थी लेकिन अब तक कोई जानकारी हमारे पास नहीं है। मेरा आपने पाठकों से विनम्र अनुरोध हैकि वो अब कालाधन वापस लाने के लिए सरकार पर जोर न डाले । आखिर सरकार क्या-क्या करे ? 85 करोड़ की भूखी-नंगी आबादी के लिए दो जून भोजन की व्यवस्था करे या कालाधन वापस लाती फिरती रहे।

अपनी पूरी जिदंगी में मुझे तो इस कलियुगी कालेधन के दर्शन नहीं हुए । मेरे पास तो जो धन आया वो खून-पसीने और नेमनूक का धन आय। इस धन से मैं ज्यादा से ज्यादा कुछ सोना-चंडी क्रय कर सका । हीरा मैंने आजतक खरीदा ही नहीं। खरीदने की ताकत ही सरकार ने पैदा नहीं की । मेरे बच्चे जो अमेरिका में हैं और डालर कमाते हैं ,उन्होंने कोई हीरा खरीदा हो तो मुझे पता नहीं। मै तो गोस्वामी तुलसीदास के झांसे में आकर संतोष धन ही कमाने में लगा रहा। आम भारतीय संतोष धन के अलावा कोई दूसरा धन कमा भी नहीं सकता । इसलिए दीपावली पर इसी संतोषध्नन को पूजिये । कालेधन के बारे में जब सरकार कुछ नहीं सोच पायी तो आप भी कुछ मत सोचिये । भगवान से प्राथना करता हूँ कि आपकी दीपावली भी संतोषधन के साथ सुखद है । बहुत-बहुत शुभकामनयें और बधाई। मई तो लक्ष्मी जी को मौसी की तरह पूजता हूँ । मेरी आराध्य तो सरस्वती हैं। वैसे मै धरतीपुत्र हूँ।(लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

खेल - समाचार

साईं सुदर्शन और पड्डिकल ने भारत ए को संभाला

सिडनी (ईएमएस)। साईं सुदर्शन और देवदत्त पड्डिकल के अच्छे प्रदर्शन से इंडिया ए ने ऑस्ट्रेलिया ए को करारा जवाब दिया है। भारतीय ए टीम यहां पहले ही दिन 107 रन पर ऑलआऊट हो गई थी जकि ऑस्ट्रेलिया ए ने 195 रन पर बनाये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ऐ ने 2 विकेट खोकर 208 रन बना लिए हैं। क्रीज पर साईं सुदर्शन 96 तो देवदत्त पड्डिकल 80 रन बनाकर खेल रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया ए के तेज गेंदबाज ब्रेंडन डोगेट ने 11 ओवरों में 15 रन देकर छह विकेट लेकर भारत ए 107 रन पर ही रोक दिया। पहली पारी में अभिमन्यु ईश्वरन 07 नीतीश रेड्डी शून्य पर आउट हो गये। साईं सुदर्शन (21) और नवदीप सैनी (23) भारत की तरफ से दोहरे अंक में पहुंचने वाले अन्य बल्लेबाज थे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए भी खबर अच्छी नहीं रही क्योंकि सलामी बल्लेबाज के रूप में सैम कोन्स्टास शून्य , कैमरून बैनक्रॉफ्ट शून्य और मार्कस हैरिस 17 अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। कप्तान मैक्स्वीनी 39, वेबस्टर 33 तो मफीर् ने 33 रन बनाए और टीम 195 रन पर ही ऑलआऊट हो गई। भारत की ओर से मुकेश कुमार ने 46 रन देकर 6 तो प्रसिद्ध कृष्णा ने 59 रन देकर 3 विकेट लिए।

दूसरी पारी में भारत के दोनों ओपनर्स जल्द आऊट हो गए। अभिमन्यू ने महज 12 तो ऋतुराज ने 5 ही रन बनाए। ऐसे समय में साईं सुदर्शन ने देवदत्त पड्डिकल के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। भारत ए ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 2 विकेट खोकर 208 रन बना लिए हैं।

पंजाब ने केवल दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन कर हैरान किया

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र के लिए आईपीएल की सभी 10 टीमें ने अपने रिटेन खिलाड़ियों की सूची बीसीसीआई को सौंप दी। इसमें टीमों को ज्यादा से ज्यादा 6 खिलाड़ियों को रीटेन करने की अनुमति मिली थी पर कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के अलावा अन्य टीमों ने इतने खिलाड़ियों को रिटेन नहीं किया। कई फ्रेंचाइजी टीमों ने अनुभवी जबकि कुछ ने नये खिलाड़ियों को रिटेन किया। सबसे अधिक हैरान पंजाब किंग्स ने किया। उसने दो नये खिलाड़ियों प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह को ही रिटेन किया। आईपीएल में 2024 सत्र में इन दोनो ही प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। वीरे कई टीमों ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया। ये भी कहा जा रहा था कि रोहित शर्मा को मुम्बई इंडियंस रीलीज करेगी पर ऐसा नहीं हुआ और टीम ने उन्हें बरकरार रखा।

सभी को लग रहा था कि रोहित कप्तानी से हटाने से नाराज है और वह मुंबई का साथ छोड़ देंगे पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। रोहित हार्दिक पंडया की कप्तानी में खेलने तैयार दिखे। वह फ्रेंचाइजी की रीटेंशन सूची में चौथे नंबर पर रहे। उन्हें मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के लिए 16.30 करोड़ में रीटेन किया है।

पंजाब किंग्स की टीम ने केवल दो खिलाड़ियों को रीटेन किया है। और दोनों ही नाम अनकैप्ड हैं। ओपनर प्रभसिमरन को पंजाब किंग्स ने 4 करोड़ में रीटेन किया जबकि पंजाब किंग्स ने युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर सैम करेन को रिलीज किया है। इन बड़े नामों की जगह इस फ्रेंचाइजी ने प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह को आईपीएल 2025 के लिए टीम में बनाये रखा है। ऐसा इसलिए क्योंकि दोनों खिलाड़ियों का आईपीएल 2024 में प्रदर्शन शानदार रहा था। प्रभसिमरन ने पिछले सत्र में 334 रन बनाए थे। वह पंजाब किंग्स के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं। पंजाब किंग्स ने केवल दो ही खिलाड़ियों को रिटेन किया है। ऐसे में वह नीलामी में सबसे अधिक 110.5 करोड़ रुपये के साथ उतरेगी और उसका लक्ष्य बेहतर खिलाड़ियों को जोड़ना रहेगा।

केकेआर के साथ अपनी यात्रा जारी रखने को लेकर उत्साहित हूं : वरुण

नई दिल्ली (ईएमएस)। रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सत्र लिए कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने 12 करोड़ रुपय में रिटेन किया है। इससे भावुक होकर वरुण ने कहा कि टीम के साथ अपनी यात्रा को लेकर उत्साहित हूं। केकेआर ने जहां रिंकू सिंह को 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया। वहीं वरुण को सुनील नारायण और आंद्रे रसेल के साथ 12-12 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया है। इससे वरुण काफी खुश हैं। इसका कारण है कि वह कोलकाता की टीम का हिस्सा रहे और फ्रेंचाइजी के लिए सबसे अधिक 21 विकेट उनके नाम रहे थे।

टीम मैनेजमेंट के रिटेन करने के बाद वरुण ने एक भावुक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया। इस वीडियो में वह केकेआर की जर्सी उठाते हुए टीम के प्रति सम्मान व्यक्त करते दिख रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा एक बार फिर केकेआर का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिला। पर्पल और गोल्ड के लिए प्रतिबद्ध। केकेआर के साथ अपनी यात्रा जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। इन सभी वर्षो में मिले समर्थन के लिए केकेआर टीम मैनेजमेंट, मालिकों और विशेष रूप से प्यारे प्रशंसकों का आभार व्यक्त करता हूं। हमारी यात्रा जारी है।

गौरतलब है कि वरुण आईपीएल 2019 में पंजाब किंग्स का हिस्सा थे पर वह केवल एक ही मैच खेल पाए थे। उसके बाद वह 2020-21 में वह केकेआर से जुड़े और पहले ही सत्र में उन्होंने 17 विकेट ले लिए। इसके बाद साल 2022 में उनका प्रदर्शन खराब रहा और उन्हें केवल 6 विकेट मिले। इसके बाद एक बार फिर वह 2023 में 20 और 2024 में 21 विकेट लेने में सफल रहे। वरुण के नाम आईपीएल में 71 मैचों में कुल 83 विकेट हैं। वहीं दूसरी ओर केकेआर ने हर्षित राणा और रमनदीप सिंह के रूप में दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को 4-4 करोड़ रुपये में रिटेन किया है।

इविन लुईस के शानदार प्रदर्शन से वेस्ट इंडीज ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। इविन लुईस के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को तीन एकदिवसीय क्रिकेट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में 8 विकेट से हरा दिया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में केवल 209 रनों ही सिमट गयी। वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती ने चार जबकि अल्जारी जोसेफ, जायडेन सील्स और मैथ्यू फोर्डे ने 2-2 विकेट लिए। इसके बाद वेस्टइंडीज को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के तहत ही 35 ओवर में जीत के लिए 157 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने आसानी से 9 ओवर में ही हासिल कर लिया। लुईस ने इस मैच में अर्धशतक लगाया। बारिश के समय वेस्टइंडीज ने 81 रन बनाये। उस समय लुईस 48 गेंद पर 51 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद जब खेल वापस शुरु हुआ तो लुईस ने जमकर बल्लेबाजी शुर की। वहीं अगली 21 गेंदों पर 43 रन बनाकर उन्होंने वेस्टइंडीज को जीत दिला दी। वह छह रनों से शतक पूरा नहीं कर पाये। लुईस ने 69 गेंदों पर 5 चौके और 8 छक्कों की सहायता से 94 रन बनाये। लुईस के अलावा वेस्टइंडीज की ओर से ब्रैंडन किंग ने 30 रन बनाए। पहले विकेट के लिए किंग और लुईस के बीच 118 रनों की साझेदारी हुई। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद और कप्तान लियाम लिविंगस्टोन ने एक-एक विकेट लिया।

वहीं इससे पहले इंग्लैंड की ओर से सभी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की पर कोई भी कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाया। शीर्ष-6 में शामिल सभी बल्लेबाज 15 रनों से आगे नहीं बढ़ पाये। केवल कप्तान लियाम लिविंगस्टोन ही 49 गेंद पर 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 48 रन बना पाये।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में सलीमा की कप्तानी में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले माह 11 से 20 नवंबर तक बिहार के राजगीर हॉकी स्टेडियम में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में भारतीय टीम सलीमा टेटे की कप्तानी में उतरेगी। वहीं नवनीत कौर टीम की उपकप्तान रहेंगी। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल रांची में हुए आयोजन में खिताब जीता था। ऐसे में अब भारतीय टीम का लक्ष्य ये खिताब बरकरार रखना रहेगा। इस टूर्नामेंट में भारत को चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित पांच अन्य देशों से कड़ी टक्कर मिलेगी। भारतीय टीम का पहला मुकाबला 11नवंबर को मलेशिया से होगा। टीम की कप्तान सलीमा ने कहा, 'एक और बड़े टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करना एक शानदार एहसास है। हम गत चैम्पियन के रूप में टूर्नामेंट में भाग लेते हुए जीत का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमने कड़ी ट्रेनिंग की है। हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के साथ एक मजबूत टीम है। हमारा लक्ष्य अपने खिताब की रक्षा करना और उसी जुनून और संकल्प के साथ खेलना है जो हमने पिछले साल दिखाया था। टीम में गोलकीपर की भूमिका अनुभवी सविता और उभरती प्रतिभा बिचू देवी खारीबाम साझा करेंगी। रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम और वैष्णवी विट्ठल फाल्के के पास होगी। मध्यपंक्ति में टेटे का साथ नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, और लालरेम्सियामी टीम को मजबूती प्रदान करेंगी। वहीं अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, प्रीति दुबे और ब्यूटी डुंगडुंग रहेंगी। सुशीला और ब्यूटी चोट से उबरने के बाद टीम से वापसी कर रही है।

गोवर्धन पूजा के दिन भगवान श्री कृष्ण के लिए तैयार होते है 56 प्रकार के भोग!

दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा के दिन भगवान श्री कृष्ण के लिए 56 प्रकार के भोग तैयार किए जाते हैं, क्योंकि 7 दिन तक भगवान श्रीकृष्ण ने पर्वत अपनी उंगली पर उठाये रखा था और वह कुछ भी खा नहीं पाए थे।इसी लिए उनके भोजन के रूप में अन्नकूट की परंपरा शुरू हुई। माना जाता है , मां यशोदा श्री कृष्ण को एक दिन में आठ पहर भोजन कराती थीं।इसी कारण जब सातवें दिन के अंत में भगवान श्रीकृष्ण ने पर्वत धरा पर रखा तो गांव वालों ने उन्हें हर दिन के आठ पहर के हिसाब से 56 व्यंजन बना कर खिलाये थे। उसी दिन से अन्नकूट की परम्परा शुरु हुई और इस दिन गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बना कर श्री कृष्ण और गोवर्धन पूजा की जाने लगी।एक लोककथा के मुताबिक पुलस्त्य ऋषि द्वारा गोवर्धन पर्वत को एक श्राप मिला हुआ है, जिसके कारण गोवर्धन पर्वत का आकार प्रतिदिन कम होता जा रहा हैं।प्राचीन समय में तीर्थयात्रा करते हुए पुलस्त्य ऋषि गोवर्धन पर्वत के पास पहुंचे, तो पर्वत की सुंदरता देखकर वे मंत्रमुग्ध हो गए, उन्होंने द्रोणाचल पर्वत से निवेदन किया कि आप अपने पुत्र गोवर्धन को मुझे दे दीजिए, मैं उसे काशी में स्थापित कर वहीं रहकर पूजन करुंगा। द्रोणाचल यह सुनकर दुखी हो गए लेकिन गोवर्धन पर्वत ने ऋषि से कहा कि मैं आपके साथ चलने को तैयार हूं लेकिन मेरी एक शर्त है। आप मुझे जहां रख देंगे मैं वहीं स्थापित हो जाऊंगा।

पुलस्त्य ने गोवर्धन की यह बात मान ली। फिर गोवर्धन ने ऋषि से कहा कि मैं दो योजन ऊंचा और पांच योजन चौड़ा हूं। आप मुझे काशी कैसे ले जाएंगे? तब पुलस्त्य ऋषि ने कहा कि मैं अपने तपोबल से तुम्हें अपनी हथेली पर उठाकर ले जाऊंगा। तब गोवर्धन पर्वत ऋषि के साथ चलने के लिए सहमत हो गए।

रास्ते में ब्रज आया, उसे देखकर गोवर्धन सोचने लगे कि भगवान श्रीकृष्ण-राधा जी के साथ यहां आकर बाल्यकाल और किशोर काल की बहुत सी लीलाएं करेंगे। तब उनके मन में यह विचार आया कि वह यहीं रूक जाएं। यह सोचकर गोवर्धन पर्वत पुलस्त्य ऋषि के हाथों में और अधिक भारी हो गया। जिससे ऋषि को विश्राम करने की आवश्यकता महसूस हुई।ऋषि गोवर्धन पर्वत को ब्रज में रखकर विश्राम करने लगे। ऋषि ये बात भूल गए थे कि उन्हें गोवर्धन पर्वत को कहीं रखना नहीं था, कुछ देर बाद ऋषि पर्वत को फिर से उठाने लगे लेकिन गोवर्धन ने कहा कि ऋषिवर अब मैं यहां से कहीं नहीं जा सकता।मैंने आपसे पहले ही कहा था कि आप मुझे जहां रख देंगे, मैं वहीं स्थापित हो जाउंगा। तब पुलस्त्य उसे ले जाने की हठ करने लगे, लेकिन गोवर्धन वहां से नहीं हिले।तब ऋषि ने क्रोधित होकर उसे श्राप दिया कि तुमने मेरे मनोरथ को पूर्ण नहीं होने दिया. इसलिए आज से प्रतिदिन तिल-तिल कर तुम्हारा क्षरण होता जाएगा। फिर एक दिन तुम धरती में समाहित हो जाओगे। तभी से गोवर्धन पर्वत तिल-तिल करके धरती में समा रहा है। ॐ कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने ॥ प्रणत: क्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नम:॥ यह मंत्र है श्री गोवर्धन पूजा का।गोवर्धन पूजा के दिन

सुबह स्नान करने के बाद गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर उसे फूलों से सजाना चाहिए। गोवर्धन पर्वत के पास ग्वाल- बाल की आकृति बनाकर उसके पास ही भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति रखनी चाहिए। गोवर्धन पूजा के समय भगवान श्रीकृष्ण को धूप ,दीप से आरती करें और उन्हें अन्नकूट का भोग लगाएं। गोवर्धन पूजा को लेकर वृंदावन, मथुरा, बरसाना, गोकुल के लोगों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है।इस पर्व का प्रकृति के साथ सीधा सम्बन्ध है। गोवर्धन पूजा में गोधन अर्थात गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती है जैसे नदियों मे गंगा है। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं, उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। गौ सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूजनीय है। गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोर्वधन की पूजा की जाती है ।गोवर्धन पूजा पर, भगवान कृष्ण को गेहूं, चावल, बेसन से बनी सब्जी और पत्तेदार सब्जियों का भोग लगाया जाता है। दही, दूध, शहद, चीनी, मेवा और तुलसी से बना पंचामृत भगवान कृष्ण को चढ़ाया जाता है कई प्रकार की सब्जियों से तैयार अन्नकूट सब्जी भी भगवान कृष्ण के लिए बनाई जाती है। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस) (लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

शब्द पहेली - 8175

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -8174 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं, सच्चाई है

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह एवं महासचिव श्री दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समुदाय को जाति और विचारधारा के आधार पर विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ लोगों को आगाह करते हुए समाज और लोक कल्याण के लिए 'हिंदू एकता' के महत्व पर भी जोर दिया है। अपने को बचाये रखने एवं दूसरों के मंगल के लिये हिन्दू एकता वर्तमान की बड़ी अपेक्षा है, इसलिये उन्होंने अपना विस्तृत दृष्टिकोण पेश करते हुए न केवल हिन्दू शब्द का विरोध करने वालों पर करारा प्रहार किया है, बल्कि देश में अराजकता का माहौल पैदा करने वाले मुस्लिम संगठनों पर भी सीधी चोट की है। विशेषत: नफरती एवं विघटनकारी सोच के लिये राहुल गांधी पर भी कड़ा प्रहार किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटोगे तो कटोगे' बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में हिन्दू एकता बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि कई जगहों पर धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान कुछ स्थानों पर हिन्दुओं पर हमले हुए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर तरह-तरह के अत्याचार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों एवं उन्हें विभाजित किये जाने की साजिशों को नियंत्रित करने के लिये हिन्दू को संगठित होना ही चाहिए। दत्तात्रेय ने जहां हिन्दुओं को जगाया वहीं राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी, विपक्ष विशेषत: कांग्रेस की हिन्दू विरोधी सोच का पर्दापाश किया।

श्री होसबोले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में हिन्दू समाज को जाति, भाषा एवं प्रांत के भेद में बांटने के विपक्षी दलों के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि हम बंटेंगे तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसलिये हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है।' उन्होंने इसे जीवन मंत्र जैसा बताया। दिया। उन्होंने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को भी रेखांकित किया, जिसे लेकर राजनीतिक दलों एवं साम्प्रदायिक संगठनों की भृकुटि कुछ तन गई है। मथुरा स्थित गऊ ग्राम परखम के दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित 25 और 26 अक्टूबर 2024 की इस बैठक में संघ के सभी 46 प्रांतों के प्रांत एवं सह प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारकों ने हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली में हिंदुओं को जातियों में बांटने की विपक्षी दलों की रणनीति के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि विपक्ष चाहता है कि मुसलमान एकजुट होकर ताकतवर और हिंदू जातियों में विभाजित होकर कमजोर बने रहें। योगी आदित्यनाथ ने पड़ोसी देश में मुसलमानों के हाथों बेगुनाह हिंदुओं के मारे जाने का हवाला देकर कहा था कि बंटेंगे तो कटेंगे। इस बयान की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अलग-अलग तरह से इस संदेश को आगे बढ़ाया है। इसी कड़ी में सरकार्यवाह होसबाले हिन्दू एकता एवं संगठन की आवश्यकता व्यक्त की।

सरकार्यवाह होसबोले एक सक्रिय, साहसी, चिन्तनशील, राष्ट्रयोद्धा, समाजसुधारक और बदलाव लाने वाले संघ नेता हैं। वे देशहित में अच्छी रचनात्मक एवं सृजनात्मक बातें करते हैं, बदलाव चाहते हैं, राष्ट्र को तोड़ना नहीं जोड़ना चाहते हैं, अच्छी बात यह भी है कि संघ एक जागरूक संगठन है और हर समस्या पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज का समाधान आज प्रस्तुत करने के लिए आरएसएस निरन्तर जागरूक रहता है। इसीलिये हिन्दू एकता के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों की परेशानियों को लेकर भारत सरकार ने कदम उठाए हैं। दुनिया में कहीं भी किसी भी हिंदू को अगर कोई परेशानी होती है तो वह मदद के लिए भारत की तरफ ही देखता है। देश एवं दुनिया में हिन्दुओं से जुड़ी परेशानियों एवं समाधान की दृष्टि से एक सशक्त वातावरण बनना अपेक्षित है। होसबाले ने ऐसी ही जटिल होती समस्याओं में लव जिहाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि लव जिहाद से समाज में समस्या हो रही है। उन्होंने कहा, 'लड़कियों को लव जिहाद के प्रति जागरूक करें। हमारे समाज की बहन-बेटियों को बचाना हमारा काम है।' उन्होंने दावा किया कि केरल में 200 लड़कियों को लव जिहाद से बचाया गया है। ध्यान रहे कि अभी राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में मुस्लिम लड़के सलीम ने खुद को संजू बताकर हिंदू लड़की सोनिया को प्यार के जाल में फंसाया। सलीम ने सोनिया के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे गर्भवती कर दिया। सोनिया ने जब शादी दबाव बनाया तो सलीम ने दो दोस्तों के साथ उसकी हत्या कर दी और शव को हरियाणा में अपने ननिहाल के गांव में एक खेत में गाड़ दिया।

निश्चित रूप से बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमजोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कश्मीर में हिंदुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो उनका नरसंहार हुआ। लाहौर की 75 प्रतिशत आबादी हिंदुओं और सिखों की थी, कराची में हिंदू, सिंधी और हिंदू पंजाबी जनसंख्या के दो तिहाई थे, काबुल में 1950 तक एक तिहाई हिंदू-सिख थे, रंगून में एक तिहाई आबादी हिंदुओं की थी, सभी जगहों पर आज हिंदुओं-सिखों का सफाया हो गया। इसीलिये सरकार्यवाह होसबोले की दृष्टि में बंटने के प्रति सचेत करने का मतलब अनेकता में एकता का मंत्र है। हम जाति, वर्ग में भले अनेक हों, लेकिन इस आधार पर हम बंटे नहीं बल्कि एकजुट रहें। बांग्लादेश के संदर्भ में भारत सरकार ने वहां हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। संघ ने उस समय भी कहा था कि हिंदू समुदाय को वहीं रहना चाहिए और पलायन नहीं करना चाहिए।

संघ की नजरों में धर्मांतरण और हिन्दुओं को विभाजित करने से हिन्दू जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और वे अल्पसंख्यक होते गये हैं। इस मायने में होसबोले का उद्बोधन कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो हिन्दुओं को सशक्त एवं विकसित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। यह सामाजिक समरसता का भी जीवनमंत्र है। संघ इस संवाद को कायम रखेगा क्योंकि समाज को तोड़ने के लिए बहुत सी कोशिशें हो रही हैं, विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिये हिन्दू समुदाय को तोड़ने एवं विभाजित करने के लिये तरह-तरह के षडयंत्र कर रहे हैं। एक बार फिर संघ ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश दिया है और इस सन्देश को जिस तरह आकार दिया जाना है, उसका दिशा-निर्देश भी दिया गया है।

आरएसएस महासचिव ने कहा, महात्मा गांधी ने भी स्वराज्य का मंत्र दिया था। 'स्व' का मतलब है 'स्वाधीनता', राष्ट्रीय स्वत्व। यहां हिन्दुओं को अपनी परंपरा, अपनी सभ्यता, उसके अनुभवों के साथ व्यवहार करना है, आधुनिकता का पालन करना है, आधुनिकता में भी 'स्व' को नहीं भूलना है। इस 'स्व' को जीवंतता देकर ही हिन्दू समाज टूटने एवं बिखरने से बच सकता है। किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केन्द्रित करना जरूरी है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे एकात्ममुख करना जरूरी है। होसबोले के आह्वान का हार्द हिन्दुओं को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र को नयी शक्ल देने का है। वास्तव में यदि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अपने सपने को साकार करना चाहते हैं तो हमें अपनी सोच और अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। जब होसबोले देश को बदलने और आगे ले जाने के लिए संकल्प व्यक्त कर रहे हैं तो फिर हिन्दुओं का भी यह दायित्व बनता है कि वह अपने हिस्से के संकल्प ले, संगठित हो। (लेखक – ललित गर्ग/ ईएमएस)

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आती है तो उसका अच्छी तरह से ध्यान रखा जाएगा : अकरम

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा है कि भारतीय टीम अगर अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आती है तो उसका शानदार स्वागत होगा। अकरम ने कहा कि इस दौरान भारतीय टीम का अच्छे तरीके से ध्यान रखा जाएगा। अकरम ने कहा कि हाल के दिनों में बदलाव आया है और मुझे भारत सरकार और बीसीसीआई का रुख सकारात्मक दिख रहा है। मैंने कहीं पर यह भी पढ़ा कि उनके सभी मैच लाहौर में होंगे। वे लाहौर आएंगे और उसी रात को वापस स्वदेश लौट जाएंगे। जब तक भारतीय टीम सहज है, मैं इसके लिए तैयार हूं। मैं आपसे वादा करता हूं की यहां भारतीय टीम का काफी अच्छे से ख्याल रखा जाएगा।

अकरम के अनुसार भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली, रोहित शर्मा, हार्दिक पंडया और सूर्यकुमार यादव के पाकिस्तान में प्रशंसक हैं और युवा क्रिकेट प्रशंसक उनको पसंद करते हैं। उन्होंने कहा आज सोशल मीडिया के जमाने में दुनिया भर में बहुत नकारात्मकता भर गयी है पर मुझे लगता है कि अगर भारतीय टीम आयेगी तो यह क्रिकेट के लिए अच्छा होगा और पाक के लिए भी अच्छा होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) 19 फरवरी से नौ मार्च तक पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगी। चैंपियंस ट्रॉफी में 8 टीम भाग लेंगी और ये दो समूहों में होंगी, जिसमें से 4 टीम सेमीफाइनल में उतरेंगी और इसके बाद फाइनल खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीम अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांगलादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका हैं। पीसीबी ने भारत के सभी मैच लाहौर में कराने का प्रस्ताव भी दिया है जो भारतीय सीमा के करीब है जिससे सुरक्षा संबंधी बातों का ध्यान रखना आसान रहेगा। पीसीबी ने साथ ही कहा कि वे 17 हजार वीजा भी भारतीय प्रशंसकों को जारी करेंगे जो अपनी टीम के साथ रहना चाहते हैं। फाइनल के साथ सेमीफाइनल भी लाहौर में होगा अगर भारत क्वालफिाई करता है। अकरम ने कहा कि हाल के दिनों में बदलाव आया है और मुझे भारत सरकार और बीसीसीआई का रुख सकारात्मक दिख रहा है। मैंने कहीं पर यह भी पढ़ा कि उनके सभी मैच लाहौर में होंगे। गौरतब है कि भारतीय टीम ने साल 2008 से ही पाकिस्तान में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है और और माना रहा है कि उसके चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले भी किसे अन्य देश में खेले जाएंगे।

अक्टूबर के आखिरी दिन निफ्टी में 6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट, निवेशक चिंतित

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सॉफ्टवेयर कंपनियों में बिकवाली और विदेशी संस्थानों की निरंतर बिकवाली के कारण महीने के आखिरी दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 553 अंक या 0.69 फीसदी की गिरावट के साथ 79,389 पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स 135.5 अंक या 0.56 फीसदी की गिरावट के साथ 24,205.35 पर बंद हुआ। अक्टूबर के महीने में निफ्टी में 6 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, जो पिछले साढ़े चार सालों में किसी भी महीने में सबसे बड़ी गिरावट है।

विश्लेषकों के मुताबिक कंपनियों की तिमाही आय के आंकड़े अनुमानों से कम रहने के कारण निवेशकों के बीच चिंता बढ़ गई है। इसके चलते बाजार में तेजी पर सवाल उठने लगे हैं। इक्विटी एडवाइजरी फर्म फिनाजेन के संस्थापक-निदेशक ने कहा कि बाजार में काफी रिअलिकेशन हो रहा है। निवेशक उन थीम से बाहर निकल रहे हैं जिनकी इनकम ने निराश किया है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के बावजूद, बाजार में बड़ी गिरावट की संभावना कम है।

विश्लेषकों का मानना है कि तेजी के लिए निफ्टी को 24,500 के स्तर को पार करना होगा। एंजेल वन के इक्विटी तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि आक्रामक पोजीशन पर विचार करने से पहले इस रेंज के ऊपर एक मजबूत क्लोज की जरूरत है, क्योंकि बाजार उच्च अस्थिरता के दौर के लिए तैयार है।

गुरुवार के कारोबार में सॉफ्टवेयर एक्सपोर्टर सबसे ज्यादा नुकसान में रहे। एचसीएलटेक और टेक महिंद्रा में 3.6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस और विप्रो में भी 2-3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे निफ्टी आईटी इंडेक्स में 3 फीसदी की कमी आई। कुछ शेयरों में वृद्धि भी देखने को मिली। दवा बनाने वाली कंपनी सिप्ला में 9.5 फीसदी और लार्सन एंड टुब्रो में 6.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स में 1.5 फीसदी और माइक्रोकैप 250 इंडेक्स में 2.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इस महीने के दौरान, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 5,813 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। अक्टूबर में उनकी कुल बिकवाली का आंकड़ा 1,09,800 करोड़ रुपए तक पहुंचा। वहीं, घरेलू संस्थानों ने 3,515 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, जिससे बाजार को गिरावट से बचाने में मदद मिली।

पाकिस्तान में मनी धूमधाम से दिवाली, पंजाब प्रांत की सीएम मरियम समारोह में हुई शामिल

कराची,(ईएमएस)। भारत समेत कई देशों में दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया, लेकिन पाकिस्तान में इसके प्रति कुछ लोगों ने नकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आईं है। एक पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल द्वारा किए सर्वे में कई नागरिकों ने दीपावली मनाने पर असहमति जताई है। सर्वे में भाग लेने वाले कुछ व्यक्तियों ने कहा कि दीपावली पाकिस्तान का त्योहार नहीं है लेकिन इन सब बातों को नकारते हुए पाकिस्तान में दीपावली बड़े उत्साह से मनाई गई। पंजाब प्रांत की सीएम मरियम नवाज ने हिंदुओं समुदाय को शुभकामनाएं दीं और खुद भी इस अवसर पर एक समारोह में शामिल होकर दीपावली का जश्न मनाया और वहां मौजूद लोगों मिठाई खिलाई। उन्होंने तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह एक हिंदू महिला को गले लगाते हुए दिखीं।

इसी बीच लाहौर शहर में ग्रीन लॉकडाउन लागू किया गया है। यह कदम वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने के लिए उठाया है, क्योंकि लाहौर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 700 के पार पहुंच चुका है। दीपावली का त्योहार भारत के साथ-साथ पाकिस्तान में भी धूमधाम से मनाया जा रहा है, लेकिन इस बार मिली-जुली प्रतिक्रियाएं इस बात का संकेत हैं कि धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के बीच सामंजस्य बनाने की जरुरत है।

सरकार के हस्तक्षेप के बिना महिलाओं को अपने शरीर को लेकर निर्णय का अधिकार

-कमला हैरिस ने गर्भपात और महिला अधिकारों को लेकर ट्रंप के रुख पर बोला तीखा हमला

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने नेवादा में एक रैली में गर्भपात और महिला अधिकारों के मुद्दे पर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के रुख पर तीखा हमला बोला। हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से सरकार के हस्तक्षेप के बिना महिलाओं को अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने के अधिकार को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई।

उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई भविष्य और आजादी के लिए है, जैसे महिलाओं की अपने शरीर के बारे में फैसला करने की मौलिक स्वतंत्रता। हैरिस ने ट्रंप पर आरोप लगाया कि उन्होंने गर्भपात सुरक्षा को समाप्त करने के लिए जानबूझकर जजों की नियुक्ति की, जिससे रो बनाम वेड मामले को पलटा गया। उन्होंने ट्रंप की पिछली टिप्पणियों का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह वही करेंगे जो वह चाहेंगे, चाहे महिलाएं इसे पसंद करें या नहीं और इसे महिलाओं की स्वायत्तता के प्रति उनके असम्मान के रूप में प्रस्तुत किया। हैरिस ने यह भी कहा कि सरकार को महिलाओं को यह नहीं बताना चाहिए कि उन्हें क्या करना है, न तो सरकार को और न ही डोनाल्ड ट्रंप को। उन्होंने रैली में उपस्थित लोगों से डेमोक्रेट्स का समर्थन करने की अपील की और भरोसा दिलाया कि जब कांग्रेस प्रजनन स्वतंत्रता को बहाल करने वाला विधेयक पारित करेगी, तो वे इसे गर्व से कानून में हस्ताक्षरित करेंगी।

ट्रंप लगाएंगे प्रजनन अधिकारों पर गंभीर प्रतिबंध

उपराष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि यदि ट्रंप पुनः चुने जाते हैं, तो प्रजनन अधिकारों पर गंभीर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, जिससे जन्म नियंत्रण और आईवीएफ उपचार तक की पहुंच मुश्किल हो जाएगी। उन्होंने रिपब्लिकन के प्रोजेक्ट 2025 का उल्लेख किया, जो उनके अनुसार, देश भर में विभिन्न प्रतिबंधों का कारण बन सकता है। हैरिस ने कहा, यदि आपको मेरी बात पर विश्वास नहीं है, तो बस प्रोजेक्ट 2025 को गूगल पर सर्च करें मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि उन्होंने इसे लिखित रूप में रखा है।

भारतीय टीम की तीसरे टेस्ट में खराब शुरुआत 86/4, न्यूजीलैंड पहली पारी 235

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां वानखेड़े स्टेडियम में आज शुरु तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भी लड़खड़ाती दिख रही है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के पहली पारी के 235 रनों के जवाब में अपनी पहली पारी में 86 रनों पर ही अपने चार विकेट खो दिये थे। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय पर ऋषभ पंत 1 रन और शुभमन गिल 31 रन बनाकर क्रीज पर थे। भारतीय टीम इस प्रकार अभी भी पहली पारी के आधार पर 149 रन पीछे है।

कीवी टीम ने पहले ये ही सीरीज में 2-0 से अपने नाम कर ली है। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान रोहित शर्मा केवल 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। यशस्वी जयसवाल और शुभमन ने इसके बाद स्कोर 50 से पार करवाया। 18वें ओवर में भारतीय टीम को झटका लगा जब न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल ने जयसवाल को आऊट कर दिया। जयसवाल मात्र 30 रन ही बना पाए।

वहीं इससे पहले आज सुबह न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम ने इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह मोहम्मद सिराज जबकि मेहमान टीम ने सेंटनर की जगह ईश साढ़ी को शामिल किया। भारत की ओर से वाशिंगटन सुंदर ने और रविंद्र जडेजा ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 4 और 5 विकेट लिए।

सुबह के सत्र में सुंदर ने दो विकेट लिए। पर लंच के बाद न्यूजीलैंड की ओर से यंग और मिचेल ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी टीम को संभाला। जडेजा ने इस जोड़ी को तोड़ा। उन्होंने ब्लंडेल को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद फिलिप्स भी नहीं टिक सके।

तीन विकेट लेने के साथ ही जडेजा भारत के लिये सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 5वें स्थान पर आ गए। उन्होंने तेज गेंदबाज जहीर खान और ईशांत शर्मा को भी पीछे छोड़ा जिनके 312 विकेट हैं। इससे पहले सुंदर ने दो विकेट लेकर न्यूजीलैंड को अच्छी शुरूआत नहीं करने दी। वहीं तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भारतीय टीम को पहली सफलता दिलाई। सुंदर ने टॉम लैथम 28 और रचिन रविंद्र 5 के विकेट लिए।

सुंदर ने कीवी बल्लेबाजों को जमने का अवसर नहीं दिया। उन्होंने तीसरे ओवर में कीवी कप्तान को बाहर निकलकर खेलने पर मजबूत किया और इस प्रकार अपना शिकार बनाया। रचिन रविंद्र भी बीसवें ओवर में ठीक इसी तरह से आउट हुए। इससे पहले तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज ने डेवोन कोंवे को पगबाधा आउट कर दिया था।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने कहा, इजराइल के खिलाफ जबावी हमले के लिए तैयार रहे सेना

तेहरान (ईएमएस)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजरायल के खिलाफ एक संभावित जवाबी हमले की तैयारी करने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, खामेनेई ने निर्णय को पिछले सप्ताह इजरायली हमलों से ईरान को हुए नुकसान का आकलन करने के बाद लिया है। उन्होंने ईरानी सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि इजरायल के हमलों का जवाब देना आवश्यक है, अन्यथा यह ईरान की हार के समान होगा।

बैठक में खामेनेई ने कहा, इजरायल के हमलों को नजरअंदाज करना हमारी हार स्वीकार करने के बराबर होगा। यह स्पष्ट है कि ईरान इजरायल की मिलिट्री साइटों को लक्षित करने का विचार कर रहा है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान का जवाबी हमला अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, जो 5 नवंबर को होने वाले हैं, के बाद किया जा सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका के लिए संघर्ष को और बढ़ाने से बचने के लिए ईरान ने चुनाव के दौरान कोई कार्रवाई न करने का निर्णय लिया है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान का हमला पहले भी हो सकता है, लेकिन इस पर आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान और इजरायल के बीच तनाव पिछले एक साल से बढ़ रहा है, विशेषकर गाजा में युद्ध के बाद। इस साल अप्रैल में दोनों देशों ने एक-दूसरे पर मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद कुछ महीनों तक स्थिति शांत रही, लेकिन अक्टूबर में इजरायल द्वारा लेबनान में हमले के बाद से हालात बिगड़ गए हैं। 1 अक्टूबर को ईरान ने इजरायल पर लगभग 180 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं, जिसके तीन हफ्ते बाद 26 अक्टूबर को इजरायली वायु सेना ने ईरान में हमले किए थे।

अनिल अंबानी को करना होगा 154.5 करोड़ का भुगतान, सेबी ने जारी किया नोटिस

-15 दिनों के अंदर जमा करनी होगी राशि, नहीं तो संपत्तियां व बैंक खाते होंगे कुर्क

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अनिल अंबानी जो अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत दिखा रहे हैं, एक बार फिर विवादों में घिर गए। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने उन्हें और उनके स्वामित्व वाली कंपनियों को 154.5 करोड़ रुपए जमा करने का नोटिस जारी किया है। यह निर्देश रिलायंस होम फाइनेंस की प्रवर्तक कंपनी सहित अन्य छह इकाइयों को धन की हेराफेरी के आरोप में जारी किया है।

सेबी ने नोटिस में साफ लिखा है कि जिन कंपनियों को यह नोटिस भेजा गया है, उनमें क्रेस्ट लॉजिस्टिक्स एंड इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड (अब सीएलई प्राइवेट लिमिटेड), रिलायंस यूनिकॉर्न एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस एक्सचेंज नेक्स्ट लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस बिजनेस ब्रॉडकास्ट न्यूज होल्डिंग्स लिमिटेड और रिलायंस क्लीनजेन लिमिटेड शामिल हैं। प्रत्येक इकाई को 25.75 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया है, जिसमें ब्याज और वसूली लागत भी शामिल हैं। इन कंपनियों को 15 दिनों के अंदर भुगतान करना होगा, नहीं तो सेबी उनकी संपत्तियों और बैंक खातों को कुर्क करने की कार्रवाई करेगी।

इस साल अगस्त में सेबी ने अनिल अंबानी और रिलायंस होम फाइनेंस के पूर्व अधिकारियों सहित 24 अन्य इकाइयों को प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। इस पर अंबानी पर 25 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया था। नियामक ने उन्हें सूचीबद्ध कंपनियों या बाजार नियामकों के साथ पंजीकृत मध्यस्थों में प्रमुख पदों पर नियुक्त होने से रोक दिया था। सेबी के आदेश में कहा गया है कि अनिल अंबानी ने रिलायंस होम फाइनेंस के प्रबंधन स्तर के प्रमुख कर्मचारियों की मदद से धन की हेराफेरी की। अंबानी ने इस राशि को इस रूप में पेश किया कि इससे संबंधित कंपनियों ने कंपनी से कर्ज लिया है। हालांकि, कंपनी के निदेशक मंडल ने ऐसी कर्ज गतिविधियों को रोकने के लिए कड़े निर्देश दिए थे, जिनका प्रबंधन ने पालन नहीं किया। अंबानी के लिए यह मामला आर्थिक संकट के बीच उनकी चुनौतियों को और बढ़ा सकता है। अगर कंपनियां नियामक के निर्देशों का पालन नहीं करती हैं, तो संपत्तियों की कुर्की और बैंक खातों की कार्रवाई से उनके वित्तीय भविष्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

हवाई सफर अब और होगा महंगा! बढ़ गए ईंधन के भाव

- जेट फ्यूल की कीमत 2,941.5 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिवाली के तुरंत बाद देश में एलपीजी के भाव बढ़ा दिए गए हैं। इसके साथ ही तेल मार्केटिंग कंपनियों ने जेट ईंधन (एटीएफ) के भाव भी बढ़ा दिए हैं, जिससे एयरलाइन कंपनियों को तगड़ा झटका लगने वाला है। अग्रणी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने जेट फ्यूल की कीमतों में भी संशोधन किया है, जिससे एविएशन सेक्टर में भी हलचल देखी जा सकती है। देश की प्रमुख तेल मार्केटिंग कंपनियों ने एविएशन टरबाइन फ्यूल या जेट फ्यूल की कीमत में 2,941.5 रुपये प्रति किलोलीटर की वृद्धि की है, जो 1 नवंबर से प्रभावी है। दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, और चेन्नई में एटीएफ की कीमतें क्रमशः 90,538.72 रुपये, 93,392.79 रुपये, 84,642.91 रुपये, और 93,957.10 रुपये प्रति किलोलीटर तक पहुंच गई हैं। इससे पहले तेल कंपनियों ने जेट ईंधन की दरों में 5,883 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती की थी। जेट ईंधन के महंगे होने से फ्लाइट टिकट भी महंगा हो सकता है। इसका सीधा असर हवाई यात्रा करने वाले नागरिकों की जेब पर पड़ेगा। कुछ दिनों में ग्राहकों को आम रेट से अधिक महंगे टिकट देखने को मिल सकते हैं।

बांग्लादेश में फिर अराजकता, जातिया पार्टी के दफ्तर में तोड़फोड़ और आगजनी

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में हाल के दिनों में फिर अराजकता का माहौल बना है। गुरुवार की रात ढाका में जातिया पार्टी के दफ्तर पर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने हमला किया, जिसमें उन्होंने दफ्तर में तोड़फोड़ करने के बाद आग लगा दी।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया है कि जातिया पार्टी के कार्यकर्ताओं ने 5 अगस्त से पहले प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर अत्याचार किए थे। इसके बाद सैकड़ों लोग रात में जातिया पार्टी के दफ्तर के बाहर इकट्ठा हुए और नारेबाजी करने लगे। जब वे दफ्तर के अंदर घुसे, तब उन्होंने तोड़फोड़ शुरू कर आगजनी कर दी। आग इतनी तेजी से फैली कि दमकल विभाग की टीम के पहुंचने से पहले ही दफ्तर जलकर खाक हो गया।

जातिया पार्टी, जो कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की समर्थक पार्टी है, के संस्थापक हुसैन मोहम्मद इरशाद थे, जो बांग्लादेश के सेना के पूर्व प्रमुख रहे हैं। हमले के दौरान पुलिस की अनुपस्थिति ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया, जब प्रदर्शनकारी खुद को छात्रों के रूप में प्रस्तुत करते हुए दफ्तर में तोड़फोड़ कर रहे थे।

जातिया पार्टी के दफ्तर में आगजनी के कृत्य की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली है। हालांकि, घटना को हसीना के विरोधियों का समर्थन प्राप्त माना जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने जातिया पार्टी को गद्दार करार दिया है और उनका कहना है कि उन्हें इसके लिए सजा मिलनी चाहिए।

इस घटना से पहले, बांग्लादेश के राष्ट्रपति के खिलाफ भी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिसमें एक संगठन ने उनके इस्तीफे की मांग की थी। यह मांग तब शुरू हुई जब राष्ट्रपति ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने शेख हसीना का इस्तीफा पत्र नहीं देखा है। इस टिप्पणी के बाद से उनके इस्तीफे की मांग उठने लगी।

दो सर्वे बता रहे हैं अमेरिका में हिंदुओं की बढ़ती ताकत, ट्रंप भी जप रहे हिंदू हिंदू

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका में हिंदुओं की संख्या करीब 31 प्रतिशत है। राष्ट्रपति चुनाव में इनकी भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। यही वजह है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हिंदू हिंदू जपते नजर आ रहे हैं। हालिया सर्वेक्षणों से यह संकेत मिला है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय का समर्थन धीरे-धीरे कमला हैरिस और डेमोक्रेट्स से हटकर ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी की ओर बढ़ रहा है। 2024 इंडियन-अमेरिकन एटीटयूड्स सर्वे (आईएएएस) के अनुसार, जहां 2020 के चुनाव में 22 प्रतिशत भारतीय मूल के अमेरिकी ट्रंप का समर्थन कर रहे थे, वहीं 2024 के चुनाव में यह संख्या बढ़कर 31 प्रतिशत हो गई है। दूसरी ओर, कमला हैरिस के समर्थन में 2020 के मुकाबले 7प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। 2020 में हैरिस को 68प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी लोगों का समर्थन प्राप्त था, जो अब घटकर 61प्रतिशत रह गया है। यह परिवर्तन ट्रंप के लिए एक अवसर साबित हो सकता है, क्योंकि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिका में सबसे तेजी से बढ़ते समुदायों में से एक है, जिनमें से करीब 26 लाख लोग वोटिंग के योग्य हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में अब कुछ ही दिन शेष हैं, और ऐसे में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक से भारतीय और हिंदू समुदाय की ओर रुख कर लिया है। ट्रंप ने दिवाली के मौके पर अमेरिका में रहने वाले हिंदुओं को शुभकामनाएं दीं और अपने विरोधी जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर निशाना साधते हुए बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा भी उठाया। यह कदम ट्रंप की चुनावी रणनीति के तहत भारतीय-अमेरिकी और हिंदू वोटर्स का समर्थन पाने की एक कोशिश मानी जा रही है। ट्रंप के हिंदू और भारतीय-अमेरिकी समुदाय की ओर रुख करने का एक अन्य कारण हाल ही में प्रेसिडेंशियल डिबेट्स में उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे भी हैं, जिनमें अमेरिका में बाहरी लोगों की आलोचना प्रमुख रूप से शामिल थी। अब, चुनाव से ठीक पहले उन्होंने हिंदू समुदाय को दिवाली की शुभकामनाएं देकर और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाकर उनकी सहानुभूति जीतने का प्रयास किया है। राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, ट्रंप का यह कदम उन्हें डेमोक्रेट्स के पारंपरिक वोट बैंक, भारतीय-अमेरिकी समुदाय में अपनी पैठ मजबूत करने में मदद कर सकता है। ट्रंप की यह रणनीति एक संभावित निकट चुनावी मुकाबले में उन्हें अतिरिक्त बढ़त दिलाने का प्रयास हो सकती है।

अमेरिका ने 19 भारतीय कंपनियों और दो नागरिकों पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका ने भारत की 19 कंपनियों और दो नागरिकों पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिका के अनुसार, इन कंपनियों ने रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में मदद की थी। यह कदम कई देशों की करीब 400 कंपनियों और व्यक्तियों पर लगाए गए प्रतिबंधों के हिस्से के रूप में उठाया गया है। इन प्रतिबंधों में भारत के अलावा चीन, मलेशिया, थाईलैंड, तुर्की और यूएई की कंपनियां और नागरिक भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार दिल्ली स्थित कंपनी एसेंड ए?विएशन के निदेशक विवेक कुमार मिश्रा और सुधीर कुमार पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग ने एसेंड ए?विएशन इं?डिया, मास्क ट्रेन, टीएसएमडी ग्लोबल और फयूट्रेवो नामक चार भारतीय कंपनियों पर लगाए गए आरोपों की जानकारी दी है। एसेंड ए?विएशन पर आरोप है कि इसने मार्च 2023 से मार्च 2024 के बीच रूस की कंपनियों को 700 से अधिक शिपमेंट भेजे थे, जिनकी कुल कीमत 200,000 डॉलर से अधिक थी। इनमें कॉमन हाई प्रायोरिटी लिस्ट (सीएचपीएल) के आइटम शामिल थे। इसी तरह मास्क ट्रेन पर आरोप है कि इसने जून 2023 से अप्रैल 2024 के बीच रूस को 300,000 डॉलर से अधिक मूल्य के सीएचपीएल आइटम सप्लाई किए थे। टीएसएसएमडी ग्लोबल पर रूस को 430,000 मूल्य के सीएचपीएल आइटम सप्लाई करने का आरोप लगाया गया है, जबकि फयूट्रेवो पर आरोप है कि इसने रूस को 1.4 मिलियन मूल्य के सीएचपीएल आइटम भेजे हैं, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट भी शामिल हैं। यह सामान जनवरी 2023 से फरवरी 2024 के बीच सप्लाई किया गया था। यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। पिछले वर्ष नवंबर में एसआई2 माइक्रो??सिस्टम को भी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा था।

दिवाली पर ट्रूडो ने हिंदू कनाडाई समुदाय को दिया भरोसा आपकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी

ओटावा (ईएमएस)। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने दिवाली के मौके पर सभी को बधाई देकर हिंदू कनाडाई समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है। ट्रूडो का बयान तब आया है,जब भारत और कनाडा के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं, विशेषकर खालिस्तानी तत्वोंकोबढ़ावा देने के आरोपों और हिंदुओं की सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच।

ट्रूडो ने कहा, दिवाली बुराई पर अच्छाई, अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। इस मौके पर परिवार और समुदाय मिलकर मंदिरों में प्रार्थना करते हैं, उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं और उत्सवों में भाग लेते हैं। घरों को मोमबत्तियों और दीयों से सजाया जाता है, जिससे अंधकार को हराने और इच्छाओं को पूरा करने का हौसला मिलता है।

उन्होंने कनाडा में इंडो-कनाडाई समुदाय के योगदान की भी सराहना की, जो कला, उद्यमिता, चिकित्सा, शिक्षा और व्यवसाय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ट्रूडो ने कहा, कनाडा में दिवाली हमारे अविश्वसनीय इंडो-कनाडाई समुदाय के बिना अधूरी है। हम उनके प्रयासों से लाई गई रोशनी का भी जश्न मना रहे हैं।

ट्रूडो ने विशेष रूप से हिंदू कनाडाई लोगों के लिए कहा, दिवाली हिंदू कनाडाई लोगों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हम उनके साथ खड़े रहने वाले हैं, ताकि वे स्वतंत्रता और गर्व के साथ अपने धर्म का पालन कर सकें। उन्होंने उल्लेख किया कि नवंबर में कनाडा में हिंदू विरासत माह मनाया जाएगा, जिसमें वह समुदाय के साथ जश्न मनाने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने सभी कनाडाई लोगों की ओर से दिवाली की शुभकामनाएं देकर कहा, रोशनी का यह त्यौहार हमारे लिए खुशी, समृद्धि और सच्ची खुशी लेकर आए। जस्टिन ट्रूडो का यह संदेश केवल एक त्यौहार की शुभकामना नहीं, बल्कि कनाडा में रहने वाले हिंदू समुदाय के प्रति सुरक्षा और समर्थन का एक मजबूत आश्वासन भी है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह आश्वासन विवादास्पद मुद्दों के बीच सकारात्मक बदलाव लाएगा या नहीं।

ढिल्लों मामले में एक व्यक्ति गिरफ्तार............दूसरा भारत भागा

ओटावा (ईएमएस)। पंजाबी गायक एपी ढिल्लों के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग के मामले में कनाडा पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कनाडा पुलिस का कहना है कि मामले में एक अन्य आरोपी भारत भाग गया है।

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 25 वर्षीय अबजीत किंगरा के रूप में हुई है, जो विन्निपेग का निवासी है। पुलिस ने दूसरे संदिग्ध के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। इस संदिग्ध की पहचान 23 वर्षीय विक्रम शर्मा के रूप में की गई है, जो पहले विन्निपेग में रह रहा था, लेकिन अब पुलिस का मानना है कि वह भारत में है।

दरअसल घटना 2 सितंबर को कनाडा के वैंकूवर में एपी ढिल्लों के घर के बाहर हुई थी। इस दौरान गोलियों की आवाज सुनाई दी गई और घर के पास खड़े दो वाहनों को भी आग लगा दी गई। इस घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा के गिरोह ने ली थी। ढिल्लों और सलमान खान के बीच अच्छे संबंध होने के कारण इस हमले के पीछे यही वजह बताई जा रही है। आपराधिक गिरोह ने सलमान खान के साथ ढिल्लों के संबंधों का हवाला देकर धमकी दी थी कि यदि ढिल्लों सलमान से जुड़े रहे, तब उन पर भविष्य में भी हमले हो सकते हैं।

यूपीआई के नियमों में भी 1 नवंबर से हुआ बड़ा बदलाव

- अब बैलेंस कम होने पर भी मिलेगी सुविधा

नई ???दिल्ली (ईएमएस)। नई महीने की शुरुआत हो गई है। 1 नवंबर से गैस से लेकर पेट्रोल-डीजल के भाव में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव में करीब 62 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में अब यूपीआई के नियमों में भी बदलाव देखने को मिला है। 1 नवंबर शुक्रवार से यूपीआई लाइट प्लेटफॉर्म में दो बड़े बदलाव हुए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में यूपीआई लाइफ की ट्रांजेक्शन लिमिट भी बढ़ाई है। आज से यूपीआई लाइट यूजर्स ज्यादा पेमेंट कर पाएंगे। वहीं अगर आपका यूपीआई लाइट बैलेंस एक तय सीमा से नीचे चला जाएगा, तो नए ऑटो टॉप-अप फीचर से यूपीआई लाइट में फिर से पैसे ऐड हो जाएंगे। यानी कि अगर आपका यूपीआई लाइट बैलेंस एक तय सीमा से नीचे चला जाएगा, तो नए ऑटो टॉप-अप फीचर से यूपीआई लाइट में फिर से पैसे जुड़ जाएंगे। इससे मैनुअल टॉप-अप की जरूरत खत्म हो जाएगी, जिससे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस लाइट की मदद से बिना रूके पेमेंट किया जा सकेगा। बता दें कि यूपीआई लाइट एक वॉलेट है जो यूजर्स को बिना यूपीआई पिन का इस्तेमाल किए छोटे-मोटे ट्रांजेक्शन करने की सुविधा देता है। फिलहाल इससे यूजर्स को पेमेंट करना जारी रखने के लिए अपने बैंक अकाउंट से अपने वॉलेट बैलेंस को मैन्युअली रिचार्ज करना पड़ता है। हालांकि, नए ऑटो-टॉप-अप फीचर के साथ, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) का लक्षय इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है, जिससे मैनुअल रिचार्ज की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। बता दें कि एनपीसीआई के 27 अगस्त 2024 के नोटिफिकेशन में यूपीआई लाइट ऑटो-पे बैलेंस फीचर का ऐलान किया था। यूपआई लाट में 500 रुपये तक का लेनदेन की सुविधा देता है। हालांकि, इस वॉलेट की लिमिट 2,000 रुपए से ज्यादा नहीं हो सकती है। यूपीआई लाइट वॉलेट की रोजाना खर्च लिमिट 4000 रुपए है। यूपीआई लाइट अकाउंट पर एक दिन में पांच तक टॉप-अप की अनुमति होगी। यूपीआई लाइट पर न्यूनतम बैलेंस सेट कर पाएंगे, जब भी आपका बैलेंस इस सीमा से नीचे जाएगा, तो आपके यूपीआई लाइट आपके लिंक किए गए बैंक खाते से एक तय राशि के साथ अपने आप फिर से भर दिया जाएगा। रिचार्ज राशि भी आपकी तरफ से सेट की जाएगी।

रूस ने गूगल पर लगाया इतना जुर्माना कि गिनती लगाना भी होगा मुश्किल

मास्को,(ईएमएस)। रूस और अमेरिका के तनाव के बीच, रूस ने अमेरिकी तकनीकी दिग्गज गूगल पर अभूतपूर्व 2.5 डेसिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। यह राशि इतनी विशाल है कि यह धरती पर मौजूद धन से भी ज्यादा मानी जा रही है। रूस की अदालत ने गूगल को यह जुर्माना इसलिए लगाया क्योंकि उसने रूस समर्थित मीडिया चैनलों को अपने प्लेटफॉर्म, यूटयूब, पर समाचार प्रसारित करने का मौका नहीं दिया। गूगल के खिलाफ यह कार्रवाई 2020 से शुरू हुई, जब रूस की कोर्ट ने रोजाना एक लाख रूबल का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना तब लगाया गया था जब गूगल ने रूसी सरकार समर्थित यूटयूब चैनलों को बंद कर दिया था। कोर्ट के आदेश के मुताबिक अगर गूगल रूस के कानून का पालन नहीं करता है, तो उस पर हर दिन एक लाख रूबल का जुर्माना लगाया जाएगा और यह राशि हर हफ्ते डबल हो जाएगी।

गूगल पर यह जुर्माना इतनी बड़ी राशि में लगाया गया है कि इसे समझना भी मुश्किल है। अमेरिकी प्रणाली के मुताबिक डेसिलियन में 1 के आगे 36 शून्य होते हैं, जबकि ब्रिटिश प्रणाली में 60 शून्य होते हैं। इस तरह, रूस ने गूगल पर 2.5 डेसिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है, जो कि एक कल्पना से परे है। इस जुर्माने का बढ़ता आंकड़ा सितंबर तक 13 डेसिलियन रूबल तक पहुँच चुका था। यह स्थिति बताती है कि गूगल को रूस में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए किस तरह के कानूनी संकट का सामना करना पड़ सकता है।

रूस कोर्ट ने साफ कहा कि गूगल को इस मामले में कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उसने रूसी मीडिया को उनके अधिकारों से वंचित किया। इस विवाद में कई अन्य थर्ड पार्टी विक्टिम भी शामिल हैं, जिसमें रूस के प्रमुख टीवी चैनल भी शामिल हैं, जिन्होंने यूटयूब पर अपने चैनलों के जरिए से प्रसारण किया। यह मामला अमेरिका और रूस के बीच चल रहे आर्थिक युद्ध को और भी गहरा बना सकता है, क्योंकि रूस की अदालत ने गूगल के खिलाफ यह निर्णय लेकर अमेरिका को एक स्पष्ट संदेश भेजा है कि वह अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।

इजराइल पर लेबनान के पास से दागे मिसाइल, सात की मौत, दो घायल

येरुशलम,(ईएमएस)। उत्तरी इजराइल पर लेबनान से किए गए मिसाइल हमले में चार विदेशी सहित सात लोगों की मौत हो गई है। इजराइली अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है कि उत्तरी शहर हाइफा के एक उपनगर में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई है। इसके अलावा, दो अन्य घायल व्यक्तियों का उपचार किया जा रहा है। सेना ने बताया कि लेबनान से करीब 25 रॉकेट इजराइल पर दागे गए। इससे पहले दिन में, उत्तरी इजराइल के मेतुला प्रांत में हुए एक अन्य हमले में चार विदेशी मजदूरों समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी।

चीनी राजदूत ने ऐसा क्या कहा, पाकिस्तानी को लगी मिर्ची,घर में बेइज्जती

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान ने अपने सुरक्षा मुद्दों पर चीनी राजदूत जियांग जैडोंग के हालिया बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि जियांग का बयान स्वस्थ राजनयिक परंपरा का प्रतिनिधित्व नहीं करता है, जो वर्षों से इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच बनी रही है।

चीनी राजदूत ने कराची में हुए आतंकी हमले पर टिप्पणी कर कहा था कि पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर हुए हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। इस हमले में दो चीनी नागरिकों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि केवल छह महीनों के भीतर दो गंभीर हमले होना, पाकिस्तानी सरकार के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है।

जियांग ने कहा, शाहबाज सरकार को सभी चीन विरोधी आतंकवादी समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

उन्होंने उल्लेख किया कि सुरक्षा के बिना, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के विकास की संभावनाएँ कम होती हैं। इस पर पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता बलूच ने जियांग के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा, पाकिस्तानी सरकार ने हमलों की जांच से संबंधित दस्तावेज चीन के साथ साझा किए हैं। इसके बाद चीनी राजदूत की टिप्पणी हमारे लिए चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस मुद्दे पर चीन की चिंताओं से पूरी तरह वाकिफ है और उन्हें दूर करने का प्रयास कर रहा है। हालांकि पाकिस्तान के कई नेताओं और राजनीतिक विश्लेषकों ने भी चीनी राजदूत की टिप्पणी पर नाराजगी जताकर इस अपने घर में बेइज्जती करार दिया है।

चीन और पाकिस्तान पारंपरिक रूप से करीबी सहयोगी रहे हैं और दोनों देशों के नेता विभिन्न मंचों पर अपनी दोस्ती की कसमें खाते रहे हैं। चीन ने पाकिस्तान में कई विकास परियोजनाओं में भारी निवेश किया है। लेकिन हाल के समय में पाकिस्तान में चीनी नागरिकों को निशाना बनाने वाले हमलों ने इस संबंध में तनाव पैदा किया है।

पाकिस्तान में पिछले कुछ महीनों में चीनी नागरिकों को लक्षित कर किए गए हमलों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे पाकिस्तान-चीन संबंधों में चिंता का माहौल बना है। इस मुद्दे पर चीन ने भी कई बार सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात की है, और इसकी चिंता को उठाया है। इस घटना ने पाकिस्तान और चीन के बीच राजनयिक संबंधों में एक नई चुनौती पेश की है।

ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं के लिए कारोबार को आसान बनाएगा सेबी

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाजार नियामक सेबी ने ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं (ईआरपी) के लिए रूपरेखा में बदलाव का प्रस्ताव किया है, खासकर ग्राहक-भुगतान मॉडल का इस्तेमाल करने वालों के लिए, जिसमें शेयर सूचकांक को ईएसजी रेटिंग का खुलासा करने की आवश्यकता से छूट भी शामिल है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इसके अलावा सुझाव दिया है कि सब्सक्राइबर-पे मॉडल का इस्तेमाल करने वाले ईआरपी को सब्सक्राइबर तथा रेटेड जारीकर्ता दोनों के साथ ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक व शासन) रेटिंग रिपोर्ट साझा करनी चाहिए। इस नीति का सार्वजनिक रूप से खुलासा किया जाना चाहिए। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा ?कि ईआरपी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रेटेड संस्थाएं, उनकी समूह कंपनियां या सहयोगी अपनी स्वयं की ईएसजी रेटिंग की सदस्यता (सब्सक्राइब) नहीं ले सकें।

इन प्रस्तावों का मकसद सेबी के ढांचे के भीतर ईएसजी रेटिंग की स्पष्टता, पारदर्शिता और विनियामक संरेखण को बढ़ाना है। सेबी ने जुलाई 2023 में ईआरपी के लिए नियम पेश किए थे, लेकिन ईआरपी ने कुछ प्रावधानों पर स्पष्टीकरण मांगा है। खासकर ग्राहक-भुगतान मॉडल का इस्तेमाल करने वालों के लिए और तदनुसार नियामक ने एक परामर्श पत्र जारी किया। इसमें नियामक ने प्रस्ताव दिया है कि ईआरपी को जारीकर्ताओं को एक निश्चित समय-सीमा के भीतर ईएसजी रेटिंग रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देने की अनुमति देनी चाहिए। जारीकर्ता की ओर से किसी भी टिप्पणी को परिशिष्ट के रूप में रिपोर्ट में जोड़ा जाना चाहिए।

यदि ईआरपी जारीकर्ता के दृष्टिकोण से असहमत है, तो वह टिप्पणी या परिशिष्ट के माध्यम से जवाब दे सकता है। इसके अलावा, सब्सक्राइबर-पे मॉडल पर ईआरपी को शेयर बाजारों को ईएसजी रेटिंग का खुलासा करने से छूट दी जानी चाहिए, बशर्ते वे पुष्टि करें कि उनके पास रेटिंग को प्रभावित करने वाली कोई गैर-सार्वजनिक जानकारी नहीं है।

बच्चों की सुरक्षा पर सवाल, नई आंगनबाड़ियों की मंजूरी में देरी

1409 आंगनबाड़ियों में से 311 जर्जर हैंः 324 से पानी टपक रहा हैः 116 में पानी भर गया है।

1 नवंबर,

वडोदराः स्कूल जाने की उम्र के बच्चों के लिए वडोदरा जिला पंचायत द्वारा संचालित आंगनबाड़ियों की स्थिति दयनीय है और कई आंगनबाड़ियों में बच्चों की सुरक्षा खतरे में है.

वडोदरा जिले में सरकार की मदद से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित आंगनबाड़ियां बच्चों को ज्ञान, पौष्टिक भोजन और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं प्रदान करती हैं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बार-बार विरोध किया है कि सरकार कम भुगतान कर रही है कर्मियों को 10 हजार रुपये और टेडघर को 5500 रुपये वेतन दिया जाता है.

जिला पंचायत द्वारा संचालित आंगनबाड़ियों में से कई आंगनबाड़ियां जर्जर हालत में हैं और इसके कारण बच्चों की सुरक्षा को किसी भी समय खतरा होने का डर है, हाल ही में जिला पंचायत के विपक्षी दल के नेता एम.आई पटेल ने इस मसले पर जोरदार प्रेजेंटेशन भी दिया और ब्योरा मांगा.

वडोदरा जिले में कुल 1409 आंगनबाड़ियां हैं जिनमें से 311 आंगनबाड़ियों को अधिकारी जर्जर मानते हैं, फिर 116 आंगनबाड़ियों में बाढ़ आते ही पानी भर जाता है बच्चों की सुरक्षा के ख़िलाफ़. 205 नई आंगनबाड़ियों की मंजूरी का लंबे समय से इंतजार है सरकारी मंजूरी के लिए लंबी खींचतान के कारण वडोदरा जिले में नई आंगनबाड़ियों के निर्माण में देरी हो रही है।

प्राप्त विवरण के अनुसार, वडोदरा जिले की आईसीडीएस शाखा ने राज्य सरकार को 205 आंगनबाड़ियां बनाने का प्रस्ताव भेजा है। इसके अलावा वडोदरा जिला पंचायत ने 106 आंगनबाड़ियां बनाने के काम को भी मंजूरी दे दी है लेकिन यह काम कब शुरू होगा यह देखना बाकी है। 189 आंगनबाड़ियाँ निजी किराये के मकानों में संचालित होती हैं वडोदरा जिले में कई आंगनबाड़ियां ऐसी हैं जिनके पास अपना घर तक नहीं है। पंचायत सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 189 आंगनबाड़ियां निजी किराये के मकानों में संचालित हो रही हैं, जिनका किराया अलग-अलग है। कुछ स्थानों पर आंगनबाड़ियाँ सामुदायिक भवनों, प्राथमिक विद्यालयों और पंचायत घरों में भी चलाई जाती हैं।

'दिवाली के दिन शव नहीं लाना...' विवाद बढ़ने पर सूरत श्मशान घाट के मैनेजर ने मांगी माफी

सूरत,1 नवंबर

सूरत में दिवाली के दिन शवों के अंतिम संस्कार को लेकर विवाद हो गया। जिसमें सूरत के अश्विनी कुमार श्मशान घाट के एक कर्मचारी ने शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया. कर्मचारी ने कहा कि दिवाली पर मेहमान आए तो आप शव लेकर आए। जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया. अब इस विवाद को लेकर मैनेजर ने माफी मांगी है.

दिवाली के दिन सूरत में एक महिला की मौत हो गई. ऐसे में परिजन महिला के शव का अंतिम संस्कार करने श्मशान घाट पहुंचे। जहां परिजनों को एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। लेकिन, दाह संस्कार की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण जब परिजनों ने वहां मौजूद कर्मचारी से बात की तो कर्मचारी ने अभद्र व्यवहार किया. कर्मचारी ने परिवार के सदस्य को बताया कि आज दिवाली का दिन है और कोई नहीं है. दिवाली के दिन जल्दबाजी न करें. दोपहर के भोजन के लिए लोग कतार में खड़े हैं, यदि आप उन लोगों के साथ आना चाहें तो क्या होगा? दिवाली के दूसरे दिन आओ.

जब परिवार के सदस्य ने तर्क दिया कि यमराज हमें कुछ बताने आए थे। जब आत्मा चली जाए तो अनुष्ठान करें। तब कर्मचारी ने कहा, मुझे यमराज से क्या लेना-देना? दिवाली पर आप तब पहुंचें जब सभी मेहमान आ रहे हों और कोई आना-जाना न हो। तमाम जद्दोजहद के बाद भी परिजनों को शव के साथ एक घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा. फिर उनका अंतिम संस्कार किया गया.

पूरे विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब मैनेजर की प्रतिक्रिया सामने आई है. इसके बाद मैनेजर ने पूरे विवाद के लिए माफी मांगी है। मैनेजर ने कहा कि जो कुछ हुआ वह दुखद है. यह उचित नहीं था और ऐसा दोबारा नहीं होगा.' चाचा 75 साल के हैं. हम किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए क्षमा चाहते हैं और इस विवाद को यहीं सुलझा लेते हैं, ऐसा दोबारा नहीं होगा।

हरणी-सामा लिंक रोड पर आधी रात को पटाखे जलाते चार दोस्त पकड़े गए, 500 एयर जब्त किए गए

वडोदरा,1 नवंबर,

शहर में रात 10 बजे के बाद पटाखे फोड़ने वाले चार दोस्तों को हरणी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और अधिसूचना के उल्लंघन का मामला दर्ज किया।

शहर के पुलिस आयुक्त द्वारा देर रात पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने की अधिसूचना जारी की गई थी। डीसीपी पन्ना मोमाया ने अपने क्षेत्र के तहत पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों को इसे लागू करने का निर्देश दिया था।

इस बीच, हरणी पुलिस की वैन कल आधी रात के बाद हरणी-सामा लिंक रोड पर विश्वामित्री ब्रिज के पास पहुंची, जब कुछ युवक पटाखे फोड़ रहे थे और चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से 900 रुपये मूल्य के 500 टुकड़े हवा और 550 रुपये मूल्य के बहुरंगी शॉट्स जब्त किए। किया था।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों में (1) सुमित महादेवभाई पटेल (मिनाट) (मेपलव्यू फ्लैट्स के पास, निज़ामपुरा पोस्ट ऑफिस) (2) आदित्य पप्पीभाई सतानी (बालाजी विहार, महेश कॉम्प्लेक्स, वाघोडिया रोड के पास) (3) श्रीयांस पूर्वेशभाई पंडया (भौकालेनी) शामिल हैं गली, रावपुरा) और (4) धैर्य प्रजनोशभाई कोठारी (राजेश्वर एन्क्लेव, वलम हॉल के पास, हरनी रोड) शामिल हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद में अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करेंगे

1 नवंबर

अहमदाबादः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज अहमदाबाद में राज्य के सबसे बड़े 'वेस्ट टू एनर्जी प्लांट' का उद्घाटन करेंगे. यह प्लांट पीपीपी आधार पर अहमदाबाद के पिपलज में तैयार किया गया है। जन भागीदारी मॉडल से 375 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह संयंत्र प्रतिदिन एक हजार मीट्रिक टन का उत्पादन करता है।

इसमें ठोस कचरे से 15 मेगावाट ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है।

इस कचरे को जलाकर बिजली बनाई जाएगी। जो बिजली उत्पन्न होगी उसे पावर ग्रिड को आपूर्ति की जाएगी। और प्रति घंटे 15 मेगा वॉट बिजली और प्रतिदिन 360 मेगा वॉट बिजली पैदा होगी.

अहमदाबाद शहर प्रतिदिन 4000 टन ठोस कचरा उत्पन्न करता है। जिसे पिराना डंप साइट पर डंप किया जाता है। वर्षों से एक ही स्थान पर कूड़े का निस्तारण किया जा रहा था। जिसके कारण इस क्षेत्र के लोगों को दुर्गंध से गुजरना पड़ा। कुछ समय पहले ही यहां काम शुरू किया गया था.

जहां आज 45 एकड़ जमीन को हटाकर जमीन को खाली कराया गया है. फिलहाल बचे हुए कचरे से बिजली बनाने के लिए दो प्लांट को मंजूरी दी गई है. जिसमें से एक प्लांट शुरू हो चुका है. वहीं आने वाले दिनों में अन्य प्लांट भी शुरू किये जायेंगे.

जरोड हाईवे शराब तस्करी के लिए सुरक्षित हाईवे शराब की मात्रा में तेजी लाने के लिए क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस के बीच दौड़

वडोदरा,1 नवंबर

हालोल-वडोदरा राज्य राजमार्ग मध्य प्रदेश और राजस्थान से वडोदरा तक शराब की तस्करी के लिए एक सुरक्षित राजमार्ग है। अब इस हाइवे पर शराब की मात्रा को तेज करने के लिए जिले की क्राइम ब्रांच और जरोड पुलिस के बीच दांव चल रहा है।

गौरतलब है कि जिले की क्राइम ब्रांच ने जरोद हाईवे से लाखों रुपए की शराब से भरी दो बड़ी गाड़ियों को जब्त किया था, इसके साथ ही शराब की मात्रा को जब्त करने के लिए जरोद पुलिस भी सक्रिय हो गई है. हाल ही में एलसीबी द्वारा आधे करोड़ से अधिक कीमत की शराब से भरे टैंकर को जब्त करने के बाद 29 तारीख की शाम को वडोदरा-हालोल एक्सप्रेस हाईवे की सर्विस रोड पर एक कार में शराब भरी होने की सूचना पर जरोड पुलिस ने जांच की. और ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग गया. पुलिस को कार और 132 बोतल शराब मिली और कुल 2.46 लाख रुपये जब्त किये गये।

इसके अलावा आज सुबह भी जरोद पुलिस ने जरोद गांव के पास भारत पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़ी एक नीली बलेनो कार की घेराबंदी की तो कार में कोई नहीं मिला. पुलिस को मौके से भारी मात्रा में शराब, एक कार और कुल 6.02 लाख रुपये जब्त किये गये. बता दें कि जिला एलसीबी की टीम भी शराब के मामले का पता लगाने के लिए जरोड हाइवे पर नजर रख रही है।

वडोदरा में ढांचागत कार्यों के लिए 755 करोड़ का अनुदान आवंटित

आउट ग्रोथ एरिया में पानी, ड्रेनेज, सीवरेज, लाइट, सड़क के 68 करोड़ के काम होंगे।

1 नवंबर,

वडोदरा, स्वर्ण जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत और वडोदरा में 502 कार्यों के लिए 1664 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिसमें वडोदरा में 370 कार्यों के लिए 755.96 करोड़ आवंटित किए गए हैं।

वडोदरा निगम को आउटग्रोथ क्षेत्रों में 50 कार्यों के लिए 68.04 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। चारों जोन में जलापूर्ति, जल निकासी, बरसाती नाले, सड़क, स्ट्रीट लाइट के काम के अलावा ढांचागत कार्य भी होंगे।

वडोदरा में भवन निर्माण परियोजनाएं, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवर, तूफानी नालियां, भवन और पुल परियोजनाएं, पार्क और उद्यान, स्ट्रीट लाइट, पानी आदि बुनियादी ढांचे के काम किए जाएंगे।

राज्य के शहरी विकास एवं शहरी आवास विभाग की ओर से मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्ताव रखे गये, जिन्हें मंजूरी दे दी गयी. सूरत में 6 फ्लाई ओवरब्रिज के लिए 380 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

वडोदरा में दिवाली के पांच दिनों में एक लाख टन गलगोटा के फूल बिके

रंगों और रोशनी का त्योहार दिवाली धूमधाम से मनाई गई, एक रात में 15 करोड़ रुपये की आतिशबाजी हुई.

वडोदरा,1 नवंबर,

दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया. रंगों और रोशनी के त्योहार दिवाली के मौके पर लोगों ने सुबह-सुबह मंदिरों में जाकर दिन की शुरुआत की. आज करोड़ों की मिठाइयाँ और लाखों रुपये के पटाखे बिके। यूं तो दिवाली के बाद विक्रम संवत का नया साल शुरू होता है, लेकिन इस बार शरद ऋतु होने के कारण नया साल शनिवार से शुरू होगा।

आज सुबह भी बाजारों में चहल-पहल रही। दोपहर तक व्यापारी घराकी में व्यस्त रहे और देर शाम को लक्ष्मी पूजन व चोपड़ा पूजन किया गया। पूरा शहर आतिशबाजी से गूंज रहा था. पटाखा व्यापारियों के अनुमान के मुताबिक आज दिवाली की एक रात में 15 करोड़ रुपये से ज्यादा के पटाखे फोड़े गए.

दिवाली के त्योहार के दौरान पूजा के लिए फूलों की मांग बढ़ जाती है जिसके कारण फूलों की कीमतें भी आसमान छूने लगती हैं। दिवाली त्योहारों के दौरान गलगोटा के फूलों की मांग रहती है। सामान्य दिनों में यह 60 से 70 रुपये प्रति किलो बिकता है, लेकिन पिछले एक सप्ताह से गलगोटा की कीमत 130 से 150 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गयी है. फूल व्यापारियों से बात करने पर पता चला कि वडोदरा में पांच दिनों से रोजाना 20 हजार टन गलगोटा फूल बिक रहे हैं. यानी पांच दिनों में एक लाख टन गलगोटा फूल बिक गए हैं. सामान्य दिनों में प्रतिदिन औसतन पांच हजार टन गलगोटा की बिक्री होती है।

गुजरात के इस मंदिर में अन्नकूट की लूट, 85 ग्रामीणों को लूट के लिए बुलाया

डाकोर,1 नवंबर,

मंदिर अन्नकूट प्रथाः पौराणिक तीर्थ स्थल डाकोर में हर साल दिवाली या नए साल के दूसरे दिन भगवान राजा रणछोड़जी को 151 मन अन्नकूट का भोग लगाया जाता है। मंदिर में इन चढ़ावे का पहाड़ बनाया जाता है, जिसे बाद में लूट लिया जाता है। सदियों पुरानी यह परंपरा आज भी चल रही है।

यात्राधाम डाकोर में, नौवें वर्ष के पहले दिन, राजस्थान के श्रीनाथजी की तरह, डाकोर के ठाकोर के लिए 151 मन का अन्नकूट आयोजित किया जाता है और 85 ग्रामीणों को इस प्रसाद को लूटने के लिए आमंत्रित किया जाता है। सुबह मंगला आरती कर भगवान राजा रणछोड़ को केसर से स्नान कराया जाता है। इसके बाद भगवान का श्रृंगार किया गया। जिसमें दोपहर के समय भगवान का मंदिर बंद कर दिया जाता है और अंदर भक्तों द्वारा भगवान की ओर मुंह करके अन्नकूट परोसा जाता है, यह प्रथा डाकोर में वर्षों से चली आ रही है।

इस प्रथा में सबसे पहले भगवान से पहले गोवर्धन पर्वत की पूजा की जाती है। अन्नकूट में भगवान को बूंदी, चावल और विभिन्न मिठाइयों का भोग लगाया जाता है। इसके बाद मंदिर का दरवाजा खुलते ही आसपास के 85 गांवों से आमंत्रित लोग प्रसाद लूटकर निकल जाते हैं।

आसपास के क्षेत्र के खेत मालिक अपनी फसल का पहला फल भगवान को देते हैं। इससे धान बनाया जाता है और इसे लूटने के लिए 85 गांवों के लोगों को आमंत्रित किया जाता है. लूटा हुआ खाना ले जाने वाले लोग अपने परिवार, जरूरतमंदों, जानवरों को खाना खिलाते हैं। साथ ही घर लौटते समय बाहर खड़े भक्तों को प्रसादी भी देते हैं।

अन्नकूट लूटने आए गांव के लोगों का कहना है कि जब से भगत बोदाना ठाकोरजी को डाकोर लाए थे, तब से यानी 700 साल से यह परंपरा चली आ रही है. पूरी प्लानिंग पुलिस की कड़ी मौजूदगी के बीच की गई है। इस अनोखी परंपरा को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु डाकोर पहुंचते हैं।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्रमांक एस/62/2024 दिनांक 29.10.2024

क्र.सं.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
711	जलरहित मूत्रालयों की आपूर्ति और स्थापना	80 नग	25-नवंबर-24
712	स्वर्ण मढ़ित रजत पदक	2887 नग	26-नवंबर-24
713	3 फेज लोकोमोटिव के लिए 4" वायु प्रवाह सूचक	194 नग	26-नवंबर-24
714	एसएमपीएस आधारित आईपीएस प्रणाली	4 नग	28-नवंबर-24
715	भूलभुलैया और असर का सेट	80सेट	2-दिसम्बर-24

विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in देखें। 0696

हमें यहां लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें यहां फ़ॉलो करें : X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाएगा

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09001	उधना - जयनगर (अनारक्षित)	02.11.2024	10:10 बजे (शनिवार)	07:00 बजे (सोमवार)
09002	जयनगर - उधना (अनारक्षित)	04.11.2024	11:30 बजे (सोमवार)	03:30 बजे (बुधवार)
पड़ावः सूरत, सायन, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुनवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छौकी, पं. दोनों दिशाओं में दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशन।				
संरचनाः सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09005	उधना - छपरा (अनारक्षित)	02.11.2024	19:00 बजे (शनिवार)	07:30 बजे (सोमवार)
09006	छपरा - उधना (अनारक्षित)	04.11.2024	10:30 बजे (सोमवार)	21:00 बजे (अगले दिन)
पड़ावः सूरत, सायन, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छीकी, मिर्ज़ापुर, वाराणसी, औंरिहार, ग़ाज़ीपुर सिटी या बलिया स्टेशन दोनों दिशाओं में .				
संरचनाः सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09115	वडोदरा-धनबाद	02.11.2024	00:45 बजे (शनिवार)	11:30 बजे (अगले दिन)
09116	धनबाद - गोधरा	03.11.2024	14:30 बजे (रविवार)	00:45 बजे (मंगलवार)
दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कभी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छुकी, मिर्ज़ापुर, पीएल दीन दयाल उपाध्याय, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया, कोडरमा, दोनों दिशाओं में हज़ारीबाग़ रोड और पारसनाथ स्टेशन, ट्रेन संख्या 09115 होगी गोधरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव				
संरचनाः एसी 2-टियर सह एसी 3-टियर और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				

समय, पड़ाव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन संख्या 09115 की बुकिंग खुली है सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर उपलब्ध। उपरोक्त ट्रेनें ये ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें यहां लाइक : facebook.com/WesternRly
हमें यहां फ़ॉलो करें : X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

ગીરીશભાઈ કંદોઈજી ની
દેશવાસીયોને દીપાવલીની શુભકામના
મુંદરા સ્વીટ,
તિથલ રોડ, વલસાડ

AGRAWAL SUPER SPECIALITY CLINIC NOW AT TITHAL ROAD, VALSAD
DR. NAVIN AGRAWAL
M.B.B.S. (GOLD MEDALIST)
M.D. MEDICINE, D.M. CARDIOLOGY
FACC- Fellow of American College of Cardiology
Heart Specialist, Kidney, Intestine, Stomach Disease & Diseases of Brain-Nervous System Specialist.
Clinic Address :
1. Near Dreamland, Tithal Road, Valsad.
2. Zenith Doctor House, Valsad.
3. 21st Century Hospital, Vapi.

રાજુ નથની ચૌરસીયા હોલસેલ
ફળફ્રુટના વેપારીઓનો ઉત્તર ભારતીય
દેશવાસીયોને દીપાવલીની શુભકામના
મોગરાવાડી વલસાડ

વીરેન્દ્ર દૂધનાથ મદેશિયાજીકી દેશ
વાસીયોને દીપાવલીકી શુભકામના
ચૂલા રેસ્ટોરાંટ,
સ્ટેશન રોડ, વલસાડ

VDC BANK
ધી વલસાડ ડિસ્ટ્રીકટ સેન્ટ્રલ કો-ઓપરેટીવ બેંક લિમિટેડ, વલસાડ.
વહીવટી કચેરી:-"સહકાર સદન", કચેરી રોડ, વલસાડ-૩૯૬૦૦૧ ફોન નં.(૦૨૬૩૨) ૨૪૧૪૨૪, ૨૪૮૭૨૫
The Valsad District Central Co-operative Bank Limited. Valsad.
Administrative Office:- "Sahakar Sadan",Kacheri Road,Valsad-396001. Phone No. (02632) 248725, 241424
Email : ceo@vdcbank.in - Website: vdcbank.com

સ્થાપના તા.૦૧-૧૧-૧૯૬૫
સેવા, સધ્ધરતા, વિશ્વાસ સાથે સૌનો સાથ સૌનો વિકાસ
દિપાવલીની શુભકામનાઓ અને નવા વર્ષનાં નૂતન વર્ષાભિનંદન
આવો આપણે સૌ સાથે મળી નૂતન વર્ષમાં કેન્દ્ર અને રાજ્ય સરકારનાં મહત્વાંકાક્ષી પ્રોજેક્ટ "સહકાર થી સમૃધ્ધિ" નાં સંકલ્પને સાકાર કરીએ.

વલસાડ, નવસારી અને ડાંગ જિલ્લામાં સમાવિષ્ટ બેંકની ૪૦ શાખાઓ દ્વારા વિવિધ બેંકીગ સેવાઓ CBS ટેકનોલોજીના માધ્યમથી પુરી પાડી તેમજ બેંકની વિવિધ યોજનાઓ હેઠળ કૃષિ વિષયક તેમજ બીન કૃષિ વિષયક ધિરાણો ઉપલબ્ધ કરાવી દેશનાં વિકાસમાં સહભાગી

- કૃષિ વિકાસ માટે KCC અને મુદતી ધિરાણ, સરકારશ્રીની સહાયવાળી લોન, કૃષિ સાધનો, યંત્રો, ટ્રેકટર, સોલાર પંપ તથા જમીનના વિકાસ માટેની લોન
- મકાન, વાહન, મિલ્કત સામે, નાના-મોટા ઉદ્યોગો માટે તેમજ પર્સનલ ક્રેડીટ ફેસીલીટી વિગેરે લોન સુવિધા
- સરળ પધ્ધતિ વડે ઝડપી સેવા/કોઇ પણ છુપા ચાર્જીસ વગર લોન સુવિધા ઉપલબ્ધ કરેલ છે.
- આકર્ષક વ્યાજદરની થાપણો તથા વરિષ્ઠ નાગરિકો (સીનીયર સીટીઝન)ને થાપણ ઉપર આકર્ષક વ્યાજ દર
- રૂા.૫,૦૦,૦૦૦/- સુધીની થાપણો DICGC હેઠળ સુરક્ષિત છે તેમજ લોકર સુવિધા ઉપલબ્ધ છે.
- બેંકે (CBS) કોર બેંકીગ સોલ્યુશન દ્વારા ગ્રાહકલક્ષી સેવા પુરી પાડે છે.
- બેંક RTGS, NEFT, Mobile Banking, Rupay Debit Cards, IMPS, UPI, BBPS એટલે કે ભારત બીલ પેમેન્ટ, Internet Banking (ફક્ત વ્યુ રાઇટ), ATM તેમજ Micro ATM જેવી સુવિધાઓ ઉપલબ્ધ કરેલ છે.
- બેંકના તમામ ડિપોઝીટ ખાતેદારોને વિના મૂલ્ય રૂા.૧/- લાખ સુધીનું એક્સીડન્ટ વિમા કવચ આપવામાં આવે છે.

શ્રી રોહિત આઇ.પટેલ, ચીફ એક્ઝીક્યુટીવ ઓફિસર
શ્રી ગોવિંદભાઇ ટી.પટેલ, વાઇસ ચેરમેનશ્રી તથા બોર્ડ ઓફ ડીરેકટર્સશ્રીઓ
શ્રી જયંતિભાઇ ઉર્ફે અરવિંદભાઇ યુ.પટેલ, ચેરમેનશ્રી

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96